



सब का सपना



छह राज्यों में 1600 सदिग्ध विदेशी नागरिक मिले, मतदाता सूची से हटाए जाएंगे नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे सिरस्टमैटिक आइडेंटिफिकेशन एंड रिव्यू (एसआईआर) अभियान के तहत एक अहम जानकारी सामने आई है। इस अभियान के तहत छह राज्यों में करीब 1600 सदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाने हैं। एसआईआर का काम इन छह राज्यों में पूरा हो चुका है और कुछ अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। यह कदम मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखने और यह तय करने के लिए अहम है कि केवल पात्र भारतीय नागरिक ही मतदान कर सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक जिन 1,600 सदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, उनकी संख्या इन छह राज्यों के कुल मतदाताओं की संख्या के मुकाबले बहुत कम है। इन छह राज्यों में रहने वाले मतदाताओं की कुल संख्या 9.86 करोड़ है, जिससे पता चलता है कि यह अभियान बड़े पैमाने पर नहीं, बल्कि लक्षित रूप से नुटियों को सुधारने पर केंद्रित है। यह निर्वाचन आयोग की निरंतर कोशिशों का हिस्सा है ताकि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अपात्र व्यक्ति के नाम को समाप्त किया जा सके।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड- मुंबई पुलिस पर दिखावे की कार्रवाई का आरोप

मुंबई। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में उनकी पत्नी शहजीन सिद्दीकी ने मुंबई पुलिस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि पुलिस केवल दिखावे की कार्रवाई कर रही है और अपनी मनमानी छिपाने के लिए प्रशासनिक अडरनों का सहारा ले रही है। शहजीन के वकील त्रिवनकुमार करननी ने कहा कि मुंबई पुलिस जानबूझकर अदालती आदेशों के बावजूद जेल में पूछताछ या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हिरासत सुनिश्चित करने जैसे आवश्यक कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह प्रशासनिक देरी हत्या के मामले की सुनवाई को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है, खासकर तब जब पुलिस को प्रक्रियागत विकल्पों की जानकारी है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में उनके बेटे के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में गैंगस्टर लॉरेंस बिर्नोई का नाम सामने आया था, और मुंबई पुलिस ने अपनी चार्जशीट में लॉरेंस के भाई अमोल बिर्नोई को वांछित आरोपी के रूप में चिन्हित किया है। ये आरोप तब सामने आए हैं, जब मुंबई पुलिस पर बॉलीवुड अभिनेता टाडिपार श्रॉफ की कार पर हुए हालिया हमले के बाद भी सवाल उठ रहे हैं। 18 सितंबर को जुहू में हुए इस हमले में टाडिपार के ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति घायल हुए थे, और घटना में भी लॉरेंस बिर्नोई का कनेक्शन उजागर हुआ था। सिद्दीकी की पत्नी के आरोप मौजूदा स्थिति में पुलिस की कार्यप्रणाली पर और दबाव बढ़ा रहे हैं।

सरुदी अरब में उमरा करने गए हजारों जायरीन फंसे

नई दिल्ली। सरुदी अरब में उमरा करने गए चार हजार से अधिक भारतीय जायरीन उडानों के प्रभावित होने से फंस गए हैं। 18 अक्टूबर को रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमलों के बाद उनकी वापसी मुश्किल हो गई है। कई जायरीन मक्का-मदीना के अलावा जेद्दा और दम्माम में फंसे हैं। उनके पास पैसे और नियमित दवाइयां खत्म होने लगी हैं, जिससे परेशानियां बढ़ रही हैं। होटल और खाने-पीने का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। भारतीय दूतावास और एयरलाइंस की ओर से यात्रियों की मदद के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ यात्रियों को होटल और भोजन उपलब्ध कराया गया है, लेकिन सभी के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पा रही है। कई जायरीन एक ही कमरे में 10 से 15 लोगों के साथ रहने को मजबूर हैं। बुजुर्गों और बीमार यात्रियों की स्थिति अधिक चिंताजनक है।

प्रधानमंत्री 30-31 अक्टूबर को गुजरात दौरे पर, 14,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण और शिलान्यास

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 और 31 अक्टूबर को गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह बनासकांठा में 14,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री करीब 19,000 करोड़ रुपए की पीएम-किसान योजना की 24वीं किस्त जारी करेंगे। इसके अलावा अहमदाबाद मेट्रो के दो विस्तार चरणों की आधारशिला रखने के साथ एकता नगर में भारत पर्व 2026 का उद्घाटन और 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे। बनासकांठा में भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर का लोकार्पण प्रधानमंत्री 30 अक्टूबर को बनासकांठा के भीलडी में भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर (बीआरसी) को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। 127 एकड़ में फैले इस संस्थान को अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य गोजातीय प्रजनन, आनुवंशिक उन्नयन और उन्नत प्रजनन



तकनीकों को मजबूत करना है। इससे नस्ल सुधार की प्रक्रिया में 10 से 20 गुना तेजी आने की उम्मीद है। यह कांकरेज मवेशी नस्ल को समर्पित देश की अपनी तरह की पहली सुविधा होगी। बायो-सीएनजी संयंत्रों की आधारशिला पीएम नरेंद्र मोदी थराद और राधनपुर में बनास डेयरी के दो बायो-सीएनजी संयंत्रों की आधारशिला रखेंगे। इन संयंत्रों की

मवेशियों के गोबर के प्रसंस्करण की क्षमता क्रमशः 75 मीट्रिक टन प्रतिदिन और 100 मीट्रिक टन प्रतिदिन होगी। अहमदाबाद मेट्रो के दो विस्तार चरणों की आधारशिला प्रधानमंत्री अहमदाबाद मेट्रो फेज-2ए और फेज-2बी की आधारशिला रखेंगे। फेज-2ए हवाई अड्डा विस्तार के तहत कोटेश्वर रोड से एयरपोर्ट तक 6 किलोमीटर से अधिक

लंबा मार्ग और पांच स्टेशन होंगे। वहीं फेज-2बी गिफ्ट सिटी विस्तार के तहत गिफ्ट सिटी से शाहपुर तक 3.3 किलोमीटर से अधिक लंबा मार्ग और तीन स्टेशन बनाए जाएंगे। अहमदाबाद-मेहसाणा सड़क को आठ लेन करने की परियोजना प्रधानमंत्री मोदी करीब 2,600 करोड़ रुपए की लागत से अहमदाबाद-मेहसाणा

■ राष्ट्रीय एकता दिवस की एकता परेड में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राज्य पुलिस बलों और केन्द्रीय पुलिस संगठनों के अनुश-सन, साहस और समर्पण को प्रदर्शित किया जाएगा।

सड़क यानी राज्य राजमार्ग-41 को चार लेन से आठ लेन में अपग्रेड और मजबूत करने की परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इससे अहमदाबाद और उत्तरी गुजरात के बीच आवागमन को तेज और सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। 4,030 नए बाल-अनुकूल आंगनवाड़ी केंद्र पीएम नरेंद्र मोदी गुजरात में 4,030 नए बाल-अनुकूल आंगनवाड़ी केंद्रों की आधारशिला रखेंगे और 361 पूर्ण बाल-अनुकूल आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन करेंगे। करीब 800 करोड़ रुपए के निवेश वाली इस पहल से 4 लाख से अधिक लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। कृषि

अवसंरचना की 521 परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित प्रधानमंत्री कृषि अवसंरचना कोष के तहत पूरी की गई 521 परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं की कुल लागत करीब 4,950 करोड़ रुपए है। इनमें कोल्ड स्टोरेज, कोल्ड चेन, गोदाम, साइलो, पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस, एकीकृत प्राथमिक एवं माध्यमिक प्रसंस्करण सुविधाएं और प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र शामिल हैं। खाद्य प्रसंस्करण और डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा पीएम मोदी सनदर में आलू प्रसंस्करण संयंत्र के विस्तार का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा पालनपुर में अल्ट्रा-हाई-टेम्परेचर (यूपचटी) उत्पादों के लिए स्वचालित भंडारण और पुनर्प्राप्त प्रणाली शुरू करेंगे। दो ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी प्रधानमंत्री अहमदाबाद (साबरमती)-वाणसी एक्सप्रेस और मेहसाणा-बेचराजी-साबरमती मेमू ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। इन सेवाओं से गुजरात और अन्य क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

विक्रमादित्य को सीएम चेहरे बताने पर हिमाचल कांग्रेस में सियासत गर्म

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर कांग्रेस के भीतर सियासी घमासान छिड़ हुआ है। यह स्थिति पूर्व प्रदेश महासचिव रजनीश किमटा के बयान के बाद पैदा हुई, जिसमें उन्होंने सार्वजनिक रूप से लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह को प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री बताया। पूर्व प्रदेश महासचिव किमटा ने विक्रमादित्य को हिमाचल का भविष्य और एक परिपक्व नेता बताकर कहा कि उनकी लोकप्रियता इतनी है कि सचिन पायलट के बाद दूसरे राज्यों में भी चुनाव प्रचार के लिए उनकी मांग रहती है, जिससे वह प्रदेश का नेतृत्व करने में सक्षम हैं। पूर्व प्रदेश महासचिव किमटा के बयान के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई और सभी की निगाहें छह बार के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के पुत्र विक्रमादित्य पर टिक गई। अपनी प्रतिक्रिया में विक्रमादित्य ने इस रजनीश किमटा के मन का भाव बताकर कहा कि इस किसी अन्य नजरिए से देखने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी सफर बहुत लंबा है और इसमें कई उतार-चढ़ाव आएंगे। मैं वर्तमान में मिली जिम्मेदारियों को निभाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूँ और जहां हूँ, वहीं खुश हूँ। इस प्रकार, उन्होंने मुख्यमंत्री पद के दावे का न तो स्पष्ट समर्थन किया और न ही उसे सीधे तौर पर खारिज किया, जिससे अटकलों का बाजार और गर्म हो गया। विक्रमादित्य की सधी हुई प्रतिक्रिया के बावजूद कांग्रेस गुट में अंदरूनी तौर पर हलचल मच गई है। सूत्रों के अनुसार, वर्तमान मुख्यमंत्री सुखचिंदर सिंह सुवखू के समर्थक इस बयान और उसके निहितार्थों का अंदरखाने विरोध कर रहे हैं, जिससे पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है।

मंदिर प्रवेश पर मद्रास हाईकोर्ट का सख्त रुख: गैर-हिंदुओं को श्रद्धा अनिवार्य

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट की मद्रै पीठ ने अहम फैसले में कहा है कि हिंदू मंदिरों में इस तरह के गैर-हिंदुओं को प्रवेश नहीं दिया जा सकता, जो वहां के प्रमुख देवता के प्रति श्रद्धा जताने से इंकार करते हैं। मद्रास अदालत ने स्पष्ट किया कि मंदिरों की सदियों पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों को राजनीतिक चमचागिरी और चुनावी दिखावे के आगे झुकने नहीं दिया जा सकता। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस पी मुरगन की पीठ ने टिप्पणी मंदिरों में प्रवेश से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान की। अदालत ने साफ किया कि उसका फैसला केवल आगमिक मंदिरों तक सीमित है, जहां पूजा-पद्धति प्राचीन आगम ग्रंथों के अनुसार तय होती है, जैसे मद्रै का प्रसिद्ध मीनाक्षी अम्मन मंदिर। मद्रास हाईकोर्ट की मद्रै पीठ ने तमिलनाा वेत्री कषगम (टीवीके) के विधायक बदरुद्दीन मुस्तफा के मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाने पर सवाल उठाए, जिन्होंने चुनाव जीतने के बाद सुविधाओं का जायजा लेने के लिए दौरा



किया था। अदालत ने उनके कथित बयान पर आपत्ति जाहिर की, जिसमें सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही गई थी, और कहा कि मंदिरों की परंपराओं को राजनीतिक चापलूसी के आगे नहीं झुकाया जा सकता। अदालत ने तिरुवनामलाई के अरुणाचलेश्वर मंदिर में टोपी पहने कुछ लोगों के विरोध के बावजूद प्रवेश करने के वायरल वीडियो का उल्लेख किया, जिस पर मंदिर प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठे।

इसके विपरीत, अदालत ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जयसेफ विजय के मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाने के तरीके की प्रशंसा की। ईसाई धर्म को मानने वाले विजय ने प्रवेश से पहले देवी मीनाक्षी के प्रति श्रद्धा जताने वाला सहमति-पत्र भरा था। पीठ ने इस पहल को समावेशी बताकर कहा कि उनसे धर्म बदलने के लिए नहीं, बल्कि केवल देवी के प्रति सम्मान की पुष्टि करने को कहा गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि मंदिर में प्रवेश की प्रक्रिया का पालन करना और धर्म बदलना दो अलग-अलग बातें हैं, और श्रद्धा की शर्त परंपराओं का सम्मान सुनिश्चित करती है। पीठ ने साफ किया कि यह आदेश सभी धार्मिक स्थलों या परंपराओं पर लागू नहीं होगा। अदालत ने सबरीमाला के भगवान अय्याण और शिखरी साईं बाबा का उदाहरण दिया, जिनके अनुयायी अलग-अलग धर्मों से आते हैं। अदालत ने कहा कि आगमिक मंदिरों की अपनी विशिष्ट धार्मिक परंपराएं हैं, जिनका सम्मान होना चाहिए। पीठ ने तमिलनाडु के मंदिरों में प्रवेश से जुड़े कानूनी प्रावधानों को लागू करने पर जोर दिया।

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने विधान परिषद चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर तंज कसा था। कांग्रेस ने नागपुर और वाराणसी में विपक्ष की जीत का हवाला देकर भाजपा के चुनावी दबदबे के दावों पर सवाल उठाया और प्रधानमंत्री मोदी को अपने ही संसदीय क्षेत्र के परिणामों पर घेरा। यह पलटवार तब आया जब प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में हुए विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों में कांग्रेस के एक भी सीट न जीत पाने पर तंज कसा था, जबकि इन चुनावों में मतदान बैलेट पेपर के जरिए हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट किया था, 4 बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में 28 सीटों पर एमएलसी चुनाव हुए। ये चुनाव बैलेट पेपर के



जरिए कराए गए। अंदाजा लगाइए कि कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं? उन्होंने विपक्ष की बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग के बीच कांग्रेस के खराब प्रदर्शन को दिखाया। वहीं, कांग्रेस ने अपना ध्यान भाजपा को मिली हार की ओर मोड़ने की कोशिश की। इसमें खास तौर पर केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस चुनाव हुए। ये चुनाव बैलेट पेपर के

मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी शामिल हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने प्रधानमंत्री के बयानों पर सवाल उठाकर 2024 लोकसभा चुनाव के वाराणसी परिणाम का जिक्र किया। श्रीनेत ने कहा कि प्रधानमंत्री मतपत्रों (बैलेट पेपर) की बात कर रहे हैं। पहले उन्हें यह बताना चाहिए कि जब चुनाव पेपर बैलेट से होते थे,तब वे अपने ही

महारैली से पहले कांग्रेस का आरोप: सरकार रोक रही कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचने से

नई दिल्ली, एजेंसी। एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की वोट बचाओ महा रैली और दिल्ली चलो मार्च से पहले कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस महासचिव केशी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया है कि देश के विभिन्न हिस्सों से रैली में शामिल होने दिल्ली आ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकना जा रहा है। कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल के आरोप का अन्य पार्टी नेताओं ने समर्थन किया है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जेबी माथेर ने पुष्टि कर कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि देश के विभिन्न कोनों से दिल्ली आ रहे कार्यकर्ताओं को रोकना जा रहा है। उन्होंने दुढ़ता से कहा, वे हमें रोकने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन भारत के हर कोने से लोग दिल्ली जरूर पहुंचने वाले हैं। कांग्रेस प्रवक्ता उदित राज ने वेणुगोपाल के आरोप का समर्थन करते हुए भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपने कार्यक्रमों के लिए स्पेशल ट्रेनें लगाती है, लेकिन इस बार कांग्रेस के लिए अतिरिक्त कोच भी अटैच नहीं होने दे रही है। उदित राज ने कहा कि मोदी सरकार राहुल गांधी से डरी हुई है और 1 नवंबर को रामलीला मैदान में रैली न हो सके, इसकी हरसंभव कोशिश कर रही है। कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने विशेष रूप से तेलंगाना सहित कई राज्यों से दिल्ली आ रहे कार्यकर्ताओं, सांसदों और विधायकों को रोकने की कोशिश का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय रेलवे ने तेलंगाना से दिल्ली के लिए विशेष ट्रेनों की मांग को ठुकराया, जिसके विरोध में तेलंगाना कांग्रेस ने सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे कार्यालय के बाहर प्रदर्शन भी किया था।



चेन्नई, एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट की मद्रै पीठ ने अहम फैसले में कहा है कि हिंदू मंदिरों में इस तरह के गैर-हिंदुओं को प्रवेश नहीं दिया जा सकता, जो वहां के प्रमुख देवता के प्रति श्रद्धा जताने से इंकार करते हैं। मद्रास अदालत ने स्पष्ट किया कि मंदिरों की सदियों पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों को राजनीतिक चमचागिरी और चुनावी दिखावे के आगे झुकने नहीं दिया जा सकता। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस पी मुरगन की पीठ ने टिप्पणी मंदिरों में प्रवेश से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान की। अदालत ने साफ किया कि उसका फैसला केवल आगमिक मंदिरों तक सीमित है, जहां पूजा-पद्धति प्राचीन आगम ग्रंथों के अनुसार तय होती है, जैसे मद्रै का प्रसिद्ध मीनाक्षी अम्मन मंदिर। मद्रास हाईकोर्ट की मद्रै पीठ ने तमिलनाा वेत्री कषगम (टीवीके) के विधायक बदरुद्दीन मुस्तफा के मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाने पर सवाल उठाए, जिन्होंने चुनाव जीतने के बाद सुविधाओं का जायजा लेने के लिए दौरा

अरुणाचल में सियांग बांध पर उबाल: चीन को मात देने की योजना का लोकल विरोध

नई दिल्ली , एजेंसी। नई दिल्ली (इंएमएस)। अरुणाचल प्रदेश का पासीघाट शहर और पूरा पूर्वी सियांग जिला इन दिनों केन्द्रीय सशस्त्र बल (सीएपीएफ) की भारी तैनाती के साथ ज्वल रहा है। बीते 15 दिनों से राज्य के तीन जिलों में हो रहे हिंसक विरोध-प्रदर्शनों की वजह सियांग घाटी में प्रस्तावित एक मेगा बांध परियोजना है। दरअसल, भारत सियांग नदी पर 11,200 मेगावाट का विशाल बांध और जलाशय बनाने की तैयारी में है। इसका मुख्य उद्देश्य चीन की उस महत्वाकांक्षी परियोजना का मुकाबला करना है, जिसके तहत वह नदी के ऊपरी हिस्से में 60,000 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना विकसित करने की तैयारी में है। यह नदी तिब्बत से निकलकर चीन और फिर अरुणाचल प्रदेश में सियांग के रास्ते भारत में

आती है, और बाद में असम में ब्रह्मपुत्र के नाम से जानी जाती है। केंद्र सरकार का अनुमान है कि चीन इस नदी का करीब 40 अरब क्यूबिक मीटर पानी मोड़ सकता है। इसी के जवाब में, नई दिल्ली ने सियांग अपर मल्टीपर्वज प्रोजेक्ट (एसयूपएमपी) की योजना बनाई है, जो कि नेशनल हाइड्रो पावर कॉर्पोरेशन (एनएचपीसी) क्रियान्वित कर रहा है। हालांकि, रणनीतिक योजना ने सियांग घाटी में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों को जन्म दिया है, जिसमें अधिकांशतः जेन जेड पीढ़ी के युवा शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य चिंता यह है कि प्रस्तावित बांध और जलाशय से राज्य के 32 गांव पानी में डूब जाएंगे। 23 अक्टूबर को स्थिति उस समय हिंसक हो गई, जब परियोजना को रद्द करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों ने एनएचपीसी के कार्यालय और

पुलिस वाहनों में आग लगा दी। उन्होंने दो विधायकों और राज्य भाजपा प्रमुख के आवासों में भी तोड़फोड़ और लूटपाट की। इन घटनाओं के बाद लगभग 10 पुलिस केस दर्ज किए गए हैं और 26 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। हिंसा और बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त कर अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने का प्रस्ताव रखा है।उन्होंने लिखा कि सियांग अपर मल्टीपर्वज प्रोजेक्ट को लेकर फैली गलत जानकारी और गलतफहमियों को दूर करने के लिए तथ्यों, पारदर्शिता और खुली बातचीत बहुत जरूरी है। राज्य सरकार का कहना है कि प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट पर काम केवल एक तकनीकी आकलन है, न कि बांध बनाने की अंतिम मंजूरी। सुबनसिरी अपर हाइडल

प्रोजेक्ट (एसयूपेचपी) जैसे अन्य मेगा डैम के साथ-साथ 11,200 मेगावाट का यह सियांग अपर मल्टीपर्वज प्रोजेक्ट भारत के लिए रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह

अरुणाचल में चीन की ऊपरी बहाव वाली भारी-भरकम गतिविधियों का मुकाबला करने और आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

अरुणाचल में चीन की ऊपरी बहाव वाली भारी-भरकम गतिविधियों का मुकाबला करने और आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

संपादकीय

पर्यावरण अनुकूल पर्यटन

इसमें दो राय नहीं कि देश के पहाड़ी राज्यों के लिये पर्यटन उद्योग अब अर्थव्यवस्था को गति देने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। कह सकते हैं तमाम पारिस्थितिकीय चुनौतियों के चलते एक मजबूरी भी बन गया है। लेकिन इसमें दो राय नहीं है कि राजस्व सृजन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के लिये, राज्य सरकारें एक कठिन राह पर चलना सीख रही हैं। दरअसल, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और संरक्षित क्षेत्रों में यह चुनौती ज्यादा बड़ी है। यही वजह है कि हिमाचल प्रदेश के संवेदनशील स्पीति के इलाके में प्रदेश के वन विभाग ने आने वाले पर्यटकों के लिए दैनिक आधार पर उपयोगकर्ता शुल्क आरंभ करने का निर्णय किया है। निश्चित रूप से हिमाचल सरकार की इस अभिनव पहल का स्वागत ही किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस फैसले के बाद अब बिना किसी प्रवेश शुल्क के इन इलाकों में पहुंचना अतीत की बात हो जाएगी। इतना ही नहीं शूटिंग के लिये, मसलन वृत्तचित्र, फीचर फिल्मों व विज्ञापन आदि के साथ ही टेंट लगाने जैसी गतिविधियों के लिये भी शुल्क संरचना तैयार की गई है। यह एक हकीकत है कि पर्यटकों का अराजक व्यवहार वातावरण में न केवल पर्यावरणीय प्रदूषण फैलाता है बल्कि ठोस कचरा भी छोड़कर जाता है। जिसकी क्षति व सफाई का दबाव राज्य पर पड़ता है। निस्संदेह, सरकार की नई पहल का उद्देश्य आदिवासी जिले लाहौल और स्पीति में पर्यटन के कार्बन फुटप्रिंट को कम करना है। इसके अलावा हिमाचल उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में आगंतुकों के लिये सुविधाओं का विस्तार करना भी है। दरअसल, राज्य सरकार सीमावर्ती इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा दे रही है और प्रोटोकॉल में संशोधन करके यात्रियों की पहुंच को आसान बना रही है। ऐसी ही एक पहल मंगलवार को किन्नौर जिले के शिपकी-ला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने शुरू की। दरअसल, इन क्षेत्रों के सामरिक महत्व को देखते हुए राज्य के अधिकारी सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के साथ समन्वय बनाकर काम कर रहे हैं।

निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश सरकार की यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिये, खासकर दूरदराज के गांवों के लिये अच्छा संकेत है। जब ग्रामीणों का जन-जीवन बाहर से आने वाले पर्यटकों की गतिविधियों से प्रभावित होता है तो उन्हें पर्यटन से होने वाले लाभ भी मिलने चाहिए। वहीं पर्यटकों की सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। पहलगाम आतंकी हमले ने हमें कई सबक दिए हैं। सबक याद दिलाए हैं कि यदि पर्यटकों की सुरक्षा दांव पर हो तो लापरवाही व चूक के लिये कोई जगह नहीं हो सकती। कश्मीर का हालिया अनुभव बताता है कि जब पर्यटक असुरक्षित महसूस करते हैं तो पर्यटन उद्योग को उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर जाने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आ रही है। ऐसे में पर्यटक जम्मू-कश्मीर के विकल्प के रूप में हिमाचल की ओर रुख कर सकते हैं। जिससे हिमाचल के पर्यटन उद्योग को नई प्राण वायु मिल सकती है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिये हर संभव प्रयास करना होगा कि नियमित पर्यटन से हिमाचल को न केवल वर्तमान में बल्कि दीर्घकालिक लाभ भी प्राप्त हों। वहीं राज्य सरकार को ध्यान रखना होगा कि बढ़ती पर्यटन गतिविधियों से क्षेत्र की जन-जातियों की संस्कृति और जीवनचर्या में प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इसके लिये यह भी जरूरी है कि पर्यटन से होने वाली आय से इन क्षेत्रों के विकास को भी गति मिले। जिससे स्थानीय लोग पर्यटन गतिविधियों में उत्साह से भाग लें। ऐसा न हो कि अराजक पर्यटन संस्कृति स्थानीय लोगों की अस्मिता को ठेस पहुंचाए। रीति-नीतियां ऐसी बनें कि राज्य की आर्थिकी को गति मिलने का लाभ स्थानीय लोगों के हिस्से में भी आए ताकि वे पर्यटकों का खुशी-खुशी स्वागत करें। सरकार को भी पर्यटकों की सुविधाओं, सुरक्षा और आवागमन का विशेष ख्याल रखना होगा। इससे राज्य के पर्यटन उद्योग को दीर्घकालीन लाभ मिल सकेगा। उत्तराखंड व अन्य पर्वतीय राज्यों को भी हिमाचल की पहल का अनुकरण करना चाहिए।

सूक्ति

जिन्दगी हमारे साथ खेल खेलती है, जो इसे खेल नहीं मानते, वे ही एक दूसरे की शिकायत व आलोचना करते हैं।

- जैन्ट्रि कुमार

प्रपल देवता की तरह है जबकि भाग्य दैत्य की भांति, ऐसे में प्रपल देवता की उपासना करना ही श्रेष्ठ काम है।

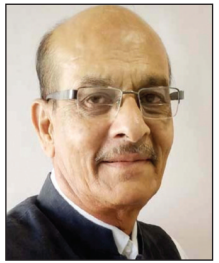
- गुरु रामदास

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वीटो के विशेषाधिकार से नहीं, समान अधिकारों से मजबूत होगी, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद



सनत जैन

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का मूल उद्देश्य दुनिया को युद्ध, हिंसा और विनाश से बचाना तथा अंतर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और सहयोग को मजबूत करना था। आज वैश्विक परिस्थितियां सवाल उठा रही हैं, क्या संयुक्त राष्ट्र अपने मूल उद्देश्यों को पूरा कर पा रहा है? इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक, लंबे समय से जारी हिंसा और नागरिकों की मौतें अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। ऐसे समय में सुरक्षा परिषद में सुधार और स्थायी सदस्यों के बीच समान अधिकारों की मांग महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के प्रतिनिधि पर्वथनेनी ने सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता पर भारत का पक्ष रखते हुए वीटो के अधिकार को समानता के सिद्धांत से जोड़ने की बात कही। भारत का तर्क है कि यदि सुरक्षा

परिषद का विस्तार कर नए स्थायी सदस्य शामिल किए जाते हैं, तो उन्हें भी वीटो का अधिकार मिलना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में पांच स्थायी सदस्य अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस को वीटो प्राप्त है। इससे इन देशों को ऐसे प्रस्तावों को रोकने की शक्ति मिलती है, जिन्हें अन्य सदस्य देश बहुमत से समर्थन दे सकते हैं। सवाल यह है कि क्या विश्व शांति की जिम्मेदारी उठाने वाली संस्था में अधिकारों का असमान वितरण न्यायसंगत है? भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश और प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत का मानना ​​है, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी यह बात अंतर्राष्ट्रीय मंच से कह चुके हैं। वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में भारत की भी भूमिका वास्तविक और प्रभावी होनी चाहिए। हालांकि, वीटो सहित सुरक्षा परिषद के सुधार पर सदस्य देशों के बीच सहमति बनाना एक बड़ी जटिल अंतर्राष्ट्रीय चुनौती है। सुरक्षा परिषद की सीमाएं केवल प्रतिनिधित्व तक ही नहीं हैं। जब शक्तिशाली देशों के हित टकराते हैं, तो वीटो के कारण सामूहिक हित बाधित होते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध रोकने, मानवीय सहायता पहुंचाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास पर्यावरण संरक्षण कमजोर पड़ते हैं। इससे संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। छोटे तथा विकासशील देशों के मन में यह सवाल पैदा होता है, क्या अंतर्राष्ट्रीय कानून सभी पर समान रूप से लागू

दवा कीमतों पर सर्वोच्च न्यायालय की चिंता जायज

आपूर्ति, कर, सेवा शुल्क और अन्य मवों का कितना योगदान है।

यह समझना भी जरूरी है कि दवा की निर्माता कीमत, वितरक की कीमत, अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी और अस्पताल द्वारा मरीज से वसूली जाने वाली राशि हमेशा एक समान नहीं होती। अस्पताल में दवा देने, उसे सुरक्षित रखने, निगरानी करने और उपचार संबंधी सेवाओं का खर्च भी हो सकता है। लेकिन इन खर्चों के नाम पर यदि बिना उचित आधार के कई गुना रकम वसूली जाती है, तो उसे सामान्य व्यावसायिक गतिविधि मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मरीज को स्पष्ट बिल, मूल्य का उचित विवरण और इलाज से संबंधित खर्चों की पारदर्शी जानकारी मिलनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण की भूमिका और दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दवाओं के मूल्य निर्धारण और आवश्यक औषधियों की उपलब्धता में सरकार की भूमिका निर्णायक होती है। जब बाजार में जीवनरक्षक दवाओं के दाम आम नागरिक की पहुंच से बाहर होते लगे, तब केवल नीतियां बनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी समीक्षा होनी चाहिए। भारत में आवश्यक दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश और राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इनके माध्यम से निर्धारित दवाओं के मूल्य पर नियंत्रण रखने का प्रयास किया जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या निगरानी व्यवस्था मरीजों तक पर्याप्त राहत पहुंचा पा रही है? क्या मूल्य नियंत्रण के दायरे से बाहर रहने वाली दवाओं और अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उत्पादों की कीमतों पर पर्याप्त पारदर्शिता है? क्या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई होती है? इन सवालों के जवाब केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि मरीजों के वास्तविक अनुभवों और स्वतंत्र जांच से भी मिलने चाहिए। अदालत में सलाइन ड्रिप, हार्ट स्टेंट और एंटीबायोटिक जैसी वस्तुओं की कीमतों के उद्वारण भी सामने आए। बताया गया कि लगभग 11 रुपये की सलाइन ड्रिप

270 रुपये में, पांच हजार रुपये का हार्ट स्टेंट 25 हजार रुपये से अधिक में और 28 रुपये की एंटीबायोटिक एंजिओमाइसिन 70 रुपये से अधिक में बेची जा रही है। इन आंकड़ों को संबंधित उत्पादों, उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, कर, आपूर्ति और बिक्री के स्तर के संदर्भ में सत्यापित करना जरूरी है। फिर भी यदि समान उत्पादों की खरीद और बिक्री कीमतों में इतना बड़ा अंतर पाया जाता है, तो नियामक संस्थाओं को उसका स्पष्ट कारण सामने रखना चाहिए। विशेष रूप से हार्ट स्टेंट और कैप्सर के उपचार में उपयोग होने वाली दवाओं के मामले में मूल्य पारदर्शिता का महत्व और बढ़ जाता है। मरीज अक्सर चिकित्सक की सलाह पर निर्भर होता है और उसे बाजार में विकल्पों की तुलना करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। ऐसे में उनकी मजबूरी का लाभ उठाने की किसी भी संभावना को रोकना सरकार, अस्पताल प्रशासन और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है। दवा उद्योग अनुसंधान, नई दवाओं के विकास, उत्पादन और वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कर्पणियों को उचित लाभ कमाने का अधिकार है, लेकिन जीवनरक्षक दवाओं का बाजार सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं के बाजार से अलग है। यहां ग्राहक के पास कई बार खरीद टालने या सस्ता विकल्प चुनने की स्वतंत्रता नहीं होती। गंभीर बीमारी में दवा का विकल्प सीमित हो सकता है और उपचार में देरी जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र में बाजार की शक्तियों के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और प्रभावी सरकारी नियमन का संतुलन आवश्यक है। केंद्र सरकार की ओर से यह दलील दी गई कि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया के कई देशों की तुलना में कम हैं। अंतरराष्ट्रीय तुलना अपने स्थान पर उपयोगी हो सकती है, लेकिन भारतीय मरीज की आर्थिक स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसी दवा का दूसरे देश की तुलना में सस्ता होना अपने आप में इस बात का प्रमाण नहीं है कि उसकी कीमत हर भारतीय परिवार की पहुंच में है। असली कसौटी यह होनी चाहिए कि मरीज को आवश्यक उपचार कितने खर्च में, कितनी आसानी से और कितनी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध हो रहा है।

केरल की वृद्ध संरक्षण पहल से जगोगी नई चेतना



सामाजिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व भी है। इस विधेयक की सबसे संवेदनशील अवधारणा है-‘पर्जिग इन प्लेस’, अर्थात बुजुर्गों को यथासंभव उनके अपने घर और परिचित परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर देना। वृद्धाश्रमों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन माता-पिता के लिए घर का एक कमरा भी तब अधिक मूल्यवान होता है, जब उसमें अपनत्व की गर्माहट हो। बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और बिस्तर नहीं चाहिए, उन्हें बातचीत करने वाला साथी, उनकी बात सुनने वाला कान, उनके अनुभवों को समझने वाला मन और उनके अस्तित्व को स्वीकार करने वाला परिवार चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर कई बार आर्थिक अभाव से अधिक भावनात्मक अभाव पीड़ा देता है। जिस घर में बुजुर्गों की आवाज अनसुनी हो जाती है, वहां दीवारें तो रहती हैं, लेकिन परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है।

आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती त्यक्त्वादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कटिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाछाला होते थे, उनकी कहानियां में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी। आज उसी अनुभव-संपदा को कई बार अनुयोगी समझ लिया जाता है। संपत्ति के लिए माता-पिता पर दबाव डालना, उनकी जमा-पूँजी पर अनुचित अधिकार जमाना, बीमारी में उन्हें अकेला छोड़ देना अथवा

उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाना सभ्य समाज के माथे पर कलक है। यह कैसे विडंबना है कि जिन हाथों ने वच्चों को चलना सिखाया, उन्हीं हाथों को बुढ़ापे में सहारे के लिए तरसना पड़े! केरल का विधेयक इस समस्या के समाधान की दिशा में व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें बेसहारा छोड़ने पर तीन वर्ष तक के कारावास तथा 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। देखभाल केंद्रों के पंजीकरण, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण, शिकायतों के निवारण और साइबर धोखाधड़ों से सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं भी प्रस्तावित हैं। साथ ही, वरिष्ठ नागरिकों के चिकित्सा संबंधी पूर्वातिर्धारित निर्णयों, कानूनी सहायता और डिजिटल सेवाओं तक पहुंच को महत्व दिया गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा ने यह विधेयक 26 अक्टूबर 2026 को सर्वसम्मति से पारित किया है, इसे कानून के रूप में लागू होने के लिए राज्यपाल की स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस पहल का एक दूरदर्शी पक्ष ‘सिल्वर इकोनॉमी’ की अवधारणा भी है। बुजुर्गों को केवल सहायता प्राप्त करने वाले नागरिकों के रूप में नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके अनुभव, ज्ञान, कौशल और जीवन-दृष्टि का उपयोग शिक्षा, परामर्श, सामाजिक सेवा, उद्यमिता और सामुदायिक विकास में किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति का अर्थ प्रतिभा की समाप्ति नहीं, बल्कि जीवन की दूसरी पारी का आरंभ भी हो सकता है।



सरकार को दवाओं की कीमतों और अस्पतालों में होने वाली वसूली की नियमित जांच के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। अस्पतालों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद कीमत, मरीज से वसूली गई कीमत तथा सेवा शुल्क का स्पष्ट विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं की सूची और मूल्य नियंत्रण की समीक्षा समय-समय पर होनी चाहिए। जहां असमान्य मूल्य अंतर सामने आए, वहां निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही, मरीजों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और अनुचित वसूली पाए जाने पर उचित कार्रवाई की व्यवस्था भी मजबूत होनी चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय की चिंता का वास्तविक महत्व तभी सिद्ध होगा, जब उससे व्यवस्था में ठोस सुधार का रास्ता खुले। केवल टिप्पणियों से मरीजों का आर्थिक बोझ कम नहीं होगा। इसके लिए सरकार, दवा कर्पणियों, अस्पतालों और नियामक संस्थाओं को जवाबदेह बनाना होगा।

लोककल्याणकारी व्यवस्था की पहचान केवल अस्पतालों की संख्या या चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से नहीं होती, बल्कि इससे होती है कि संकट की घड़ी में आम नागरिक को कितना सहारा मिलता है। दवाओं की कीमतें तय करने और उनकी बिक्री पर निगरानी रखने वाली व्यवस्था का उद्देश्य मरीजों को राहत देना होता चाहिए। जीवनरक्षक दवाओं के मामले में पारदर्शिता, उचित मूल्य और जवाबदेही कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि जनहित की अनिवार्य शर्तें हैं। आखिरकार, किसी भी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह जीवन बचाने में कितनी सहायक है, न कि बीमारी से जूझ रहे परिवारों पर कितना आर्थिक बोझ डालती है।

आवश्यकता इस बात की है कि समाज उन्हें बोझ नहीं, अपनी अमूल्य पूँजी माने। पेड़ जब पुराना होता है, तब भी उसकी छाया कम मूल्यवान नहीं हो जाती। इसी तरह अनुभव की परिपक्वता किसी भी राष्ट्र की विकास-यात्रा को दिशा दे सकती है। अब समय है कि केंद्र सरकार के साथ दूसरे राज्य भी केरल को इस पहल से प्रेरणा लें। केंद्र के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा हो तथा आवश्यकतानुसार उसे और सशक्त बनाया जाए। राज्यों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित संरक्षण इकाइयों, सुलभ शिकायत व्यवस्था, नि:शुल्क कानूनी सहायता, घर पर स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षित सामुदायिक केंद्र विकसित किए जाएँ। पुलिस, अस्पतालों, बैंकों और स्थानीय निकायों में बुजुर्गों की समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था हो। साथ ही, विद्यालयों और महाविद्यालयों में पीढ़ियों के बीच स्वाद तथा परिवारों में संवेदनशीलता विकसित करने के अभियान चलाए जाएँ। कानून अपराध होने के बाद दंड दे सकता है, लेकिन संस्कार अपराध की नींवत आने से पहले ही रोक सकते हैं।

अंततः बुजुर्गों की सुरक्षा का प्रश्न केवल एक आयु-वर्ग के कल्याण का विषय नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा का निर्धारक है। आज जो युवा हैं, वे कल वरिष्ठ नागरिक होंगे। इसलिए बुजुर्गों के लिए बनाई गई संवेदनशील व्यवस्था वास्तव में हमारे अपने भविष्य की सुरक्षा है। विकसित भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक समृद्धि के साथ मानवीय संवेदनता, तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक चेतना और अधुनिक जीवन के साथ पारिवाहिक आत्मीयता भी विकसित होगी। केरल की पहल एक नई रोशनी का संकेत है, लेकिन इस रोशनी को देश के प्रत्येक घर तक पहुंच दिया गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा ने यह ऐसा भारत बनाया है, जहाँ वृद्धावस्था विवशता नहीं, सम्मान का काल होय जहाँ बुजुर्गों को अपने ही घर में परया न होना पड़ेय और जहाँ उनकी आँखें संतान की प्रतीक्षा में नहीं, उसके प्रेम और उपस्थिति में चमकें। आखिर जिस समाज की जड़ें अपने बुजुर्गों के अनुभवों से जुड़ी रहती हैं, उसकी विकास-यात्रा के तुफानों में भी स्थिर रहने की संभावना अधिक होती है। यही सच्चे अर्थों में संस्कारित, सम्पृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

रोजेन्द्र पर हमला कर दिया। रोजेन्द्र के सिर में चोट लगी और वे जमीन पर गिर पड़े। हमलावर मौके से भाग गए। परिजन और स्थानीय लोग उन्हें मंडी धनौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए। वहां

किसान दिवस की बैठक में किसानों की समस्याओं के निस्तारण और कृषि योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर



बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में किसान दिवस की बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही रबी की फसलों की उन्नत खेती फसल सुरक्षा खाद की उपलब्धता और कृषि योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. महावीर सिंह ने किसानों को आलू सरसों और गेहूं की उन्नत खेती के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आलू की फसल को रोगों से बचाने के लिए अनुशंसित फफूंदनाशकों का प्रयोग करने और मिट्टी के उपचार के लिए ट्रैक्कोडर्मा को गोबर की खाद में मिलाकर इस्तेमाल करने की सलाह दी। मौसम

में संभावित बदलाव को देखते हुए आलू की फसल की सुरक्षा के उपाय भी बताए गए। सरसों की फसल में 40 से 45 दिनों तक निराई गुड़ाई कर खरपतवार नियंत्रण करने की सलाह दी गई। गेहूं की बुवाई के लिए एचडी-2088 और एचडी-3271 प्रजातियों की जानकारी देते हुए संतुलित उर्वरकों के प्रयोग पर जोर दिया गया। किसानों को फसलों की आवश्यकता के अनुसार पोषक तत्वों का इस्तेमाल करने और खरपतवार नियंत्रण के लिए निर्धारित मात्रा में अनुशंसित दवाओं का प्रयोग करने की सलाह दी गई। बैठक में बंदरों से फसलों को होने वाले नुकसान का मुद्दा भी उठाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बंदरों को पकड़ने के लिए वन विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। बंदरों से आमजन को होने वाली समस्याओं पर नियंत्रण और उन्हें आबादी वाले क्षेत्रों से दूर रखने के लिए जिला स्तरीय समिति के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की



गई है। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना प्रधानमंत्री कुसुम योजना कृषि यंत्रीकरण योजना मिलेड्स पुनरुद्धार योजना और विभिन्न बागवानी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री सुष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना और प्रधानमंत्री सुष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना के तहत मिलने वाले लाभों के बारे में बताया गया। जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री कराने के लिए जागरूक किया। किसानों को सोलर पंप लगवाने कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने और मोटे अनाज के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य लाभों की जानकारी भी दी गई। बैठक में जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पर चर्चा की गई। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों को खाद की निर्धारित दरों की जानकारी देते हुए नियमानुसार उर्वरक खरीदने की सलाह दी। कृषि

संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से संपर्क करने के लिए भी जागरूक किया गया। किसानों ने चकबंदी के दौरान खेतों तक पहुंचने के लिए रास्तों की भूमि से जुड़ी समस्याएं उठाईं। इस पर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का नियमानुसार निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि किसानों की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए और कृषि योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने फसल सुरक्षा के उपायों का प्रचार प्रसार करने और सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कृषि अधिकारी जिला पूर्ति अधिकारी जिला पंचायत राज अधिकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जिला गन्ना अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ने अवैध तमंचा और कारतूस के साथ युवक को किया गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक देशी तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी



की पहचान संदीप कुमार पुत्र नरेश

कुमार शर्मा, उम्र करीब 28 वर्ष, के

रूप में हुई है।

पुलिस टीम ने उसे सादातबाड़ी रोड पर कच्चे रास्ते के पास ग्राम मंदरा स्थित आम के बाग के निकट से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध शस्त्र बरामद किया। मामले में थाना बहजोई पर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बहजोई में धूमधाम से मनाया गया करवाचौथ का पर्व

सुहागिनों ने पति की लंबी आयु के लिए रखा निजला व्रत, चांद का दीदार कर खोला व्रत

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई नगर में गुरुवार को करवाचौथ का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी दांपत्य जीवन की कामना करते हुए दिनभर निजला व्रत रखा। पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने सोलह शृंगार कर पूजा-अर्चना की और करवाचौथ की परंपराओं का विधि-विधान से पालन किया। करवाचौथ को लेकर महिलाओं ने घरों में विशेष तैयारियां



कीं। हाथों में मेहदी लगाकर और आकर्षक परिधान पहनकर महिलाओं ने पर्व की खुशियां मनाईं।

शाम को महिलाओं ने करवाचौथ की कथा सुनी और पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना

की। नगर के बाजारों में भी त्योहार को लेकर रीनक देखने को मिली। महिलाओं ने चूड़ियों, कपड़ों, आभूषणों और शृंगार के सामान की खरीदारी की। रात को चंद्रमा निकलने का महिलाओं को बेसब्री से इंतजार रहा। चांद के दर्शन होने पर महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा की और छलनी से चंद्रमा तथा अपने पति का चेहरा देखकर व्रत खोला। इसके बाद पति के हाथों से जल ग्रहण कर व्रत का पावन किया। पूरे नगर में करवाचौथ को लेकर उत्साह और उल्लास का माहौल रहा।

बहजोई महाविद्यालय में करवा चौथ पर कलश एवं थाल सज्जा प्रतियोगिता आयोजित



बहजोई/संभल (सब का सपना):- महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में करवा चौथ के पावन अवसर पर कलश एवं थाल सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं की छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी रचनात्मकता तथा कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में पारंपरिक कला के प्रति रुचि बढ़ाना और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि नूतन वर्णाय मीनू वर्णाय ममता सेमेस्टर की रत्न ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एमए प्रथम सेमेस्टर की

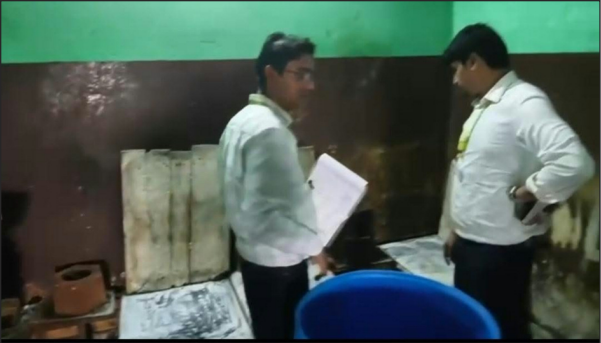
गीता ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद प्रतियोगिता शुरू हुई जिसमें छात्राओं ने मिट्टी और पीतल के कलशों तथा पूजा की थालियों को आकर्षक ढंग से सजाया। छात्राओं ने रंगों मोतियों शीशों गोटे और पारंपरिक डिजाइनों का प्रयोग कर अपनी कलाकारी को प्रस्तुत किया। सजाए गए कलश और थालियां सभी के आकर्षण का केंद्र रहीं। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल ने छात्राओं की कलात्मक प्रतिभा और सजावट के आधार पर परिणाम घोषित किए। इसमें बीए प्रथम सेमेस्टर की रत्न ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एमए प्रथम सेमेस्टर की



सलोनी और बीए तृतीय सेमेस्टर की निधि को द्वितीय स्थान मिला। एमए तृतीय सेमेस्टर की गौरी वर्णाय और बीए तृतीय सेमेस्टर की अंशु वर्णाय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बीए तृतीय सेमेस्टर की श्रेया वर्णाय और एमए तृतीय सेमेस्टर की दुर्गा वर्णाय को सात्वना पुरस्कार के लिए चुना गया।महाविद्यालय के प्राचार्य और अतिथियों ने विजेता छात्राओं सहित सभी प्रतिभागियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनके माध्यम से छात्राओं की रचनात्मक क्षमता को प्रोत्साहन मिलता है और

भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपराओं को संरक्षित रखने का अवसर मिलता है। उन्होंने छात्राओं को करवा चौथ पर्व के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विजेता छात्राओं और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में गृह विज्ञान की प्राध्यापिका प्रीति शर्मा शिक्षाशास्त्र की प्राध्यापिका पूजा शर्मा और संस्कृत की प्राध्यापिका दीप्ति रानी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम संचालन और संयोजन अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. गीता ने किया।

सम्भल में छापेमारी के दौरान तीन क्विंटल पनीर कराराया नष्ट



सम्भल (सब का सपना):-आगामी दीपावली और त्योहारों के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से जनपद में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत ग्राम मातीपुर थाना असमोली स्थित भारत डेरी पर छापेमारी की गई। मौके पर करीब तीन क्विंटल पनीर भंडारित मिला। मिलावट की आशंका के चलते पनीर का नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया और पूरे स्टॉक

को नष्ट करा दिया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की प्रवर्तन टीम खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण कर रही है। भारत डेरी पर जांच के दौरान नजरूल हसन ने बताया कि वह पनीर निर्माण का काम करते हैं। निरीक्षण के दौरान मौके पर पनीर के साथ विभिन्न प्रकार के अपमिश्रकों के खाली कट्टे और रैपर भी मिले। इन परिस्थितियों को देखते हुए पनीर में मिलावट की आशंका के आधार पर नमूना लेकर जांच के



लिए भेजा गया। इसके बाद मौके पर मौजूद तीन क्विंटल पनीर को तत्काल नष्ट करा दिया गया। विभाग की ओर से प्रतिष्ठान संचालक को नोटिस भी जारी किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर खाद्य पंजीकरण निलंबित करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा ग्राम मातीपुर निवासी अफसर अली के पुत्र रियाजुल हसन के प्रतिष्ठान से भी पनीर का नमूना लेकर जांच के

लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई के दौरान सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय मानवेंद्र सिंह और खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजीव कुमार मौजूद रहे। विभाग ने त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए अभियान जारी रखने की बात कही है।

यातयात पुलिस ने अवैध पायदान हटवाए, प्रेशर हॉर्न पर भी कार्रवाई

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए गुरुवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस एवं प्रवर्तन टीमों ने विभिन्न प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और महत्वपूर्ण स्थानों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान ओवरलोड वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर चलने वाले वाहनों तथा बिना वैध परमिट और आवश्यक दस्तावेजों के संचालित वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसके



साथ ही ऑटो और ई-रिक्षा में लगे अवैध पायदान हटवाए गए तथा वाहनों में लगे प्रेशर हॉर्न भी निकलवाए गए। यातायात पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अभियान के दौरान कुल 169 वाहनों के चालान किए गए, जबकि 40 चालान इंटरसेप्टर के माध्यम से किए गए। कार्रवाई के तहत कुल 3,34,000 रुपये का जुर्माना लगाया

गया। वहीं, ऑटो और ई-रिक्षा के 16 चालान किए गए। इसके अलावा 3 वाहनों से अवैध पायदान हटवाए गए और 2 वाहनों से प्रेशर हॉर्न निकलवाए गए। अभियान के दौरान किसी वाहन को सीज नहीं किया गया। जनपद सम्भल पुलिस से आमजन और वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि

वाहन चालक निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाएं, तेज गति से वाहन न चलाएं तथा दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। साथ ही वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा नियमों का विशेष ध्यान रखें। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यातायात नियमों का उल्लंघन करने से न केवल वाहन चालक, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए ओवरलोडिंग, अवैध उपकरणों तथा बिना वैध दस्तावेजों के संचालित वाहनों के विरुद्ध चेकिंग और प्रवर्तन की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

जनगणना प्रशिक्षण में 1787 प्रगणक और पर्यवेक्षक उपस्थित रहे 15 अनुपस्थित कार्मिकों के ख़िलाफ कार्रवाई के निर्देश



सम्भल (सब का सपना):- जनपद सम्भल में भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के तहत प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण के दूसरे स्लॉट का शुभारम्भ हुआ। जनपद के सभी चार्ज स्तरों पर आयोजित इस प्रशिक्षण के पहले दिन 40 बैचों के माध्यम से कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें कुल 1787 प्रगणक और पर्यवेक्षक उपस्थित रहे जबकि 15 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। प्रशासन ने अनुपस्थित कार्मिकों के खिलाफ आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जनगणना कार्य को व्यवस्थित और त्रुटिरहित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से आयोजित

प्रशिक्षण में कार्मिकों को उनकी जिम्मेदारियों और कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान संबंधित उप जिलाधिकारियों और चार्ज अधिकारियों ने विभिन्न प्रशिक्षण स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने प्रशिक्षण की स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्मिकों को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से प्रशिक्षण में अनुपस्थित पाए गए 15 कार्मिकों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस संबंध में संबंधित कार्यालयाध्यक्षों को आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई



करने के लिए पत्र भेजा गया है। अधिकारियों ने जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सभी कार्मिकों की सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदारी को जरूरी बताया। जनगणना 2027 के तहत उत्तर प्रदेश में स्व-गणना की प्रक्रिया 16 नवम्बर से 30 नवम्बर तक निर्धारित की गई है। इसके बाद एक दिसम्बर से चार जनवरी 2027 तक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना की जाएगी। इस दौरान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परिवारों और नागरिकों से संबंधित आवश्यक जानकारी एकत्र की जाएगी। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनगणना की प्रक्रिया से पूरी तरह

परिचित कराना है ताकि निर्धारित समय में कार्य को सही तरीके से पूरा किया जा सके। प्रशासन की ओर से प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है और कार्मिकों को निर्देश दिए जा रहे हैं कि वे जनगणना संबंधी सभी प्रक्रियाओं को गंभीरता से समझें और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करें।जनगणना के सफल संचालन के लिए प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। इसके माध्यम से कार्मिकों को घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करने और जनगणना संबंधी दायित्वों को सही ढंग से निभाने के लिए तैयार किया जा रहा है।

आजम खां को जमानत मिलने पर सपा समर्थकों में खुशी की लहर

न्यायालय पर भरोसा था, आज इंसाफ मिला:- फिरोज खां



सम्भल(सब का सपना):- इलाहाबाद हाईकोर्ट से आजम खां और उनके पुत्र अब्दुल्लाह आजम खां को दो पैना कार्ड मामले में जमानत मिलने पर गुरुवार को सम्भल में समाजवादी पार्टी के नेताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खां ने अपने कार्यालय के बाहर

आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया और लोगों को मिठाई बाँटकर अपनी खुशी साझा की। इस दौरान फिरोज खां ने कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था और न्याय मिलने की पूरी उम्मीद थी। उन्होंने कहा, हमें न्यायालय पर पूरा भरोसा था और न्यायालय से इंसाफ की पूरी उम्मीद थी। आज हमें इंसाफ मिला है। हम दिल से न्यायालय के शुक्रगुजार हैं। उन्होंने कहा कि



न्यायिक प्रक्रिया पर उनका विश्वास हमेशा कायम रहा और उन्हें उम्मीद थी कि कानून के तहत न्याय मिलेगा। आजम खां और अब्दुल्लाह आजम को जमानत मिलने की खबर से सपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल बन गया। इसके बाद समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।कार्यक्रम के दौरान कार्यालय के बाहर आतिशबाजी की गई और उपस्थित लोगों ने खुशी मनाई। इस मौके पर

फिरोज खां ने न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास है। इस अवसर पर अजमत खां, जहिद खां, रामरहिस यादव, जबर सिंह यादव, शहाब खां, सलिम, आरिफ खां, सुहैल अली, अमरपाल, गौरव, गुलाम मुस्तफा, राशीद, गोपाल, अजयपाल, मोनिस, ओसामा और अकरम अली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्योहारा मिल के सामने फाटक की समस्या पर किसान यूनियन ने उठाई आवाज, 400 मीटर दूर वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था कराने की मांग की

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- शुगर मिल के सामने रेलवे क्रासिंग की समस्या को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। रेलवे क्रासिंग पर मरम्मत कार्य के चलते आवागमन प्रभावित होने की आशंका के बीच भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने रेल अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर किसानों के लिए वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था कराने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो किसानों को खेतों तक पहुंचने और गन्ने की दुलाई में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के ब्लॉक अध्यक्ष आलोक डागर के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि स्योहारा रेलवे स्टेशन के दोनों ओर रेलवे क्रासिंग हैं। नरूप



रोड की ओर स्थित क्रासिंग पर गन्ना मिल के लिए फ्लाईओवर का कार्य चलने के कारण पहले से ही आवागमन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में दूसरी रेलवे क्रासिंग पर भी मरम्मत के चलते रास्ता बंद हुआ तो किसानों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। किसानों के अनुसार, क्रासिंग बंद होने की स्थिति में खेतों तक पहुंचने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ सकता है। इससे कृषि कार्य प्रभावित होने के

साथ समय और संसाधनों की बर्बादी भी होगी। गन्ने की दुलाई करने वाले वाहनों के सामने भी परेशानी खड़ी हो सकती है। ज्ञापन में रेलवे क्रासिंग से करीब 400 मीटर दूर पूर्व दिशा में मौजूद रास्ते का विकल्प सुझाया गया है। किसान यूनियन का कहना है कि इस रास्ते से छोटे और खाली वाहन आसानी से निकल सकते हैं। ऐसे में रेलवे प्रशासन को मौके का निरीक्षण कर अस्थायी आवागमन की

व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे किसानों की परेशानी से बचाया जा सके। किसान यूनियन ने केंद्रीय रेल मंत्री तथा मुरादाबाद मंडल के रेल अधिकारियों को संबोधित ज्ञापन के माध्यम से रेलवे क्रासिंग की समस्या का समाधान कराने की मांग की है। संगठन ने आग्रह किया है कि मरम्मत कार्य के दौरान किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की जाए। ज्ञापन पर देने वालों में जिला सचिव लोकेन्द्र चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष आलोक डागर, मोहित कुमार, अवनीश चौधरी, यशपाल सिंह, आशुतोष कुमार आदि लोग मौजूद रहे।अब देखा यह है कि रेल प्रशासन किसानों की समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है और उन्हें राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

पीली धातु के आभूषण दिखाकर ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बुजुर्ग महिला से सोने की चेन और कुंडल ठगो थे, धामपुर में भी महिला को बनाया था शिकार

बिजनौर (सब का सपना):- शेरकोट थाना पुलिस ने पीली धातु के आभूषण दिखाकर महिलाओं से ठगी करने वाले गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी के मामले से संबंधित पीली धातु के सात टिकली वाले हार और धामपुर क्षेत्र में हुई ठगी से संबंधित पीली धातु के दो कुंडल बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अमरोहा जनपद के मोहल्ला शेखान निवासी आदिव अंसारी की पत्नी ने 28 अक्टूबर को थाना शेरकोट में तहरीर देकर बताया था कि 13 अक्टूबर को शेरकोट में एमओ काजीसराय स्थित स्टेट बैंक के सामने वाली गली में दो अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें झ्रसे में लेकर सोने



की चेन के बहाने सात टिकली वाला हार ठग लिया था। मामले में पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 204/2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने मामले की जांच और आरोपियों की तलाश करते हुए 29 अक्टूबर को अमरोहा निवासी दिलशाद उर्फ भैया पुत्र अब्दुल सलाम तथा दानिश उर्फ चेरमैन पुत्र नासिर उर्फ कल्ला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने शेरकोट

के अलावा धामपुर क्षेत्र में भी ठगी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। धामपुर में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 337/2026 से संबंधित पीली धातु के दो कुंडल भी आरोपियों से बरामद किए गए हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे महिलाओं को आभूषण दिखाकर उन्हें सोना बताने का झांसा देते थे। इसके बाद आभूषणों के बदले सोने की चेन या अन्य कीमती सामान हासिल कर ठगी करते थे।

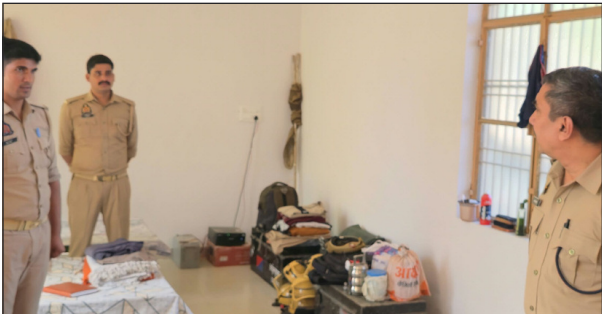
पुलिस के अनुसार, आरोपी ठगी के बाद पुलिस से बचने के लिए बस आदि से आवागमन करते थे। पूछताछ में आरोपियों ने पूर्व में भी ऐसी घटनाएं करने की बात स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों के खिलाफ अमरोहा और बिजनौर जनपद के विभिन्न थानों में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें ठगी और अन्य आपराधिक धाराओं से संबंधित मामले शामिल हैं। शेरकोट पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में शेरकोट थाना प्रभारी निरीक्षक मोहित चौधरी, उपनिरीक्षक यशवीर राठी, हेड कांस्टेबल संदीप कुमार, कांस्टेबल अंकित राणा और कांस्टेबल क्षितिज शामिल रहे।

पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाए गये पुलिस बैरिक का पुलिस क्षेत्राधिकारी ने किया निरिक्षण



स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- पीडब्ल्यूडी द्वारा थाने मे बने पुलिस बैरिक व विवेचना कक्ष का पुलिस क्षेत्राधिकारी ने निरिक्षण किया और कमियों को पुरा करने के निर्देश दिए ।

पीडब्ल्यूडी द्वारा पुलिस के लिए 40 पुलिसकर्मियों के रहने के लिए 8 बैरिक तथा 4 विवेचना कक्ष बनाए गये थे। पुलिस को सौंपने से पहले पीडब्ल्यूडी तथा



पुलिस क्षेत्राधिकारी डाक्टर अजनी कुमार चतुर्वेदी ने बैरिक का निरिक्षण किया । गंदगी को देख सीओ सहाब गुप्ता हो गये और साफ सफाई के निर्देश देते हुए बैरिक मे कमियों को दूर

कराने के लिए सम्बंधित विभाग को निर्देश दिए पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि कुछ कमिया बैरिक मे मिली है उन्हें सही कराकर पीडब्ल्यूडी विभाग से हस्तांतरित किया जाएगा ।

व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर एसपी ने की बैठक

फतेहपुर (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने गुरुवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में जनपद के व्यापारियों, उद्यमियों एवं सराफा व्यवसायियों के साथ गोष्ठी आयोजित की। बैठक का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, उनकी समस्याओं को सुनना तथा व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की ओर अधिक प्रभावी बनाना रहा। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बरतने और प्राप्त शिकायतों का



प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।बैठक में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ को सुदृढ़ बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया, ताकि व्यापारियों को सुरक्षा संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी व्यवस्था उपलब्ध हो सके। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित

अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापारियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनके निस्तारण में तत्परता बरती जाए। व्यापारियों, उद्यमियों एवं सराफा कारोबारियों के साथ आयोजित इस गोष्ठी को पुलिस और व्यापारिक समुदाय के बीच संवाद स्थापित करने की पहल के

रूप में देखा जा रहा है। ऐसी बैठकों के माध्यम से व्यापारियों की सुरक्षा संबंधी समस्याओं को पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाने और उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलती है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि व्यापारियों की समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता और प्राथमिकता का ध्यान रखा जाए। फतेहपुर पुलिस की इस पहल का उद्देश्य व्यापारिक समुदाय की सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना और पुलिस-व्यापारी समन्वय को मजबूत करना है।

खालापार थाने में देर रात पुलिस अधिकारियों की बैठक, अपराधियों पर शिकंजा कसने और गश्त बढ़ाने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जिले में कानून व्यवस्था की और अधिक मजबूत बनाने तथा अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 28/29 अक्टूबर की देर रात सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा ने थाना खालापार में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की। इस दौरान थाना क्षेत्र की कानून एवं शांति व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिसकर्मियों को



आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा ने पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ

करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपराध और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने, क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त करने तथा संधिध व्यक्तियों की चेकिंग पर विशेष जोर दिया। इसके अलावा थाने पर आने वाले फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनने और उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिसकर्मियों को आम जनता के

साथ शालीन और संवेदनशील व्यवहार करने के लिए भी कहा गया। महिला संबंधी अपराधों में त्वरित कार्रवाई पर विशेष जोर देते हुए सीओ सिटी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी पूरी तरह सतर्क रहें। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने तथा अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए गए।

नगीना थाने में दलालों का प्रवेश वर्जित का बोर्ड बना दिखावा!

एसपी के आदेशों के पालन पर उठे सवाल, अवैध वसूली के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- थानों में दलालों की सक्रियता पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशों के बावजूद नगीना थाने में दलालों की कथित सक्रियता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। थाने के मुख्य द्वार पर लगा ह्रदलालों का प्रवेश वर्जित हेल्ड का बोर्ड व्यवस्था की हकीकत पर सवाल खड़े कर रहा है। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि कुछ समय तक सख्ती दिखाने के बाद व्यवस्था फिर पुराने ढर्रे पर लौट गई। इतना ही नहीं, पुलिस और दलालों की कथित साठगांठ से मामलों को निपटाने के नाम पर लोगों से हजारों रुपये वसूल जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। बताया जाता है कि पुलिस अधीक्षक केके बिस्नोई के जनपद में कार्यभार संभालने के बाद थानों में दलालों की आवाजाही रोकने के निर्देशों के क्रम में नगीना

थाने के गेट पर दलालों का प्रवेश वर्जित होने संबंधी बोर्ड लगाया गया था। साथ ही, थाने में आने वाले लोगों का नाम, पता, आने का समय और कार्य दर्ज करने के लिए रजिस्टर रखे जाने की व्यवस्था भी शुरू की गई थी। इसके लिए गेट पर पुलिसकर्मी की ड्यूटी लगाए जाने की बात भी कही गई थी। हालांकि, क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि यह व्यवस्था कुछ समय तक ही प्रभावी रही। बाद में रजिस्टर में आगंतुकों का विवरण दर्ज करने की व्यवस्था नियमित नहीं रही और थाने में दलालों की कथित सक्रियता फिर बढ़ गई। ऐसे में सवाल उठता है कि जब थाने के मुख्य द्वार पर स्पष्ट निर्देश लिखे हैं, तो उनका पालन सुनिश्चित क्यों नहीं किया जा रहा है। क्षेत्र के कुछ लोगों का आरोप है कि थाने में शिकायतों और विवादों के निस्तारण के नाम पर कथित तौर पर

अवैध वसूली की जाती है। आरोप है कि छोटे मामलों में पहले पांच से दस हजार रुपये तक की रकम की चर्चा होती थी, जबकि अब कुछ मामलों में 25 हजार से 50 हजार रुपये और गंभीर मामलों में एक लाख रुपये या इससे अधिक की मांग किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो यह पुलिस की कार्यप्रणाली और थाने में आम लोगों को मिलने वाले न्याय की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि थाने में दर्ज मुकदमों, प्राप्त शिकायतों, उनके निस्तारण की प्रक्रिया और समझौतों से संबंधित अभिलेखों की नियमानुसार समीक्षा कराई जाए। साथ ही,

शिकायतकर्ताओं से गोपनीय तरीके से बातचीत कर यह पता लगाया जाए कि कहीं किसी मामले में अनुचित धनराशि की मांग तो नहीं की गई। लोगों का कहना है कि यदि किसी पुलिसकर्मी या दलाल की सल्लपता सामने आती है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे न केवल पुलिस विभाग की छवि बेहतर होगी, बल्कि आम लोगों का कानून-व्यवस्था और पुलिस प्रशासन पर भरोसा भी मजबूत होगा।अब सवाल यह है कि थाने के गेट पर लगा दलालों का प्रवेश वर्जित का बोर्ड केवल औपचारिकता बनकर रह गया है या वास्तव में इसके निर्देशों का पालन भी कराया जा रहा है? क्षेत्रवासियों की निगाहें अब पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई और मामले की निष्पक्ष जांच पर टिकी हैं।

धर्म परिवर्तन का झांसा देकर महिला से शादी करने का आरोपी गिरफ्तार

2019 में पंजाब में काम करने के दौरान हुई थी मुलाकात, मारपीट करने का भी आरोप

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना धामपुर पुलिस ने धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और शादी का झांसा देकर महिला के साथ संबंध बनाने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 29 अक्टूबर को वादिया ने थाना धामपुर में तहरीर देकर आरोप लगाया कि गांव हबीबवाला निवासी संदीप उर्फ सलमान ने अपना नाम संदीप बताकर, हिंदू बनकर शादी का झांसा दिया। आरोप है कि उसने महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में उसके साथ मारपीट भी की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 417/2026 में भारतीय न्याय



संहिता की धारा 323, 420 व 376 तथा उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/5(1) के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में वादिया ने बताया कि वर्ष 2019 में वह पंजाब के चंडीगढ़ स्थित एक मॉल में काम करती थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात आरोपी संदीप उर्फ सलमान से हुई। आरोप है कि आरोपी ने अपना नाम संदीप बताकर उससे शादी का झांसा दिया

और अपने साथ रखने लगा। महिला के अनुसार, इस दौरान उसने तीन बच्चों को जन्म दिया। आरोप है कि बच्चों के टीकाकरण के लिए अस्पताल जाने पर आधार कार्ड के माध्यम से आरोपी की वास्तविक पहचान सामने आई। इसके बाद महिला को पता चला कि आरोपी का वास्तविक नाम संदीप नहीं, बल्कि सलमान है और वह गांव हबीबवाला, थाना धामपुर, जनपद बिजनौर का निवासी है। महिला ने

आरोप लगाया कि जब वह तीनों बच्चों को लेकर आरोपी के गांव पहुंची तो आरोपी और उसके माता-पिता ने उस पर मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव बनाया। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और उसे घर में अलग कर दिया, जबकि तीनों बच्चों को अपने पास रख लिया। थाना धामपुर पुलिस ने 29 अक्टूबर को मुकदमे में वांछित आरोपी संदीप उर्फ सलमान पुत्र जाहिद अहमद निवासी ग्राम हबीबवाला को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अवनीश डिंडोर, हेड कांस्टेबल चंचल, कांस्टेबल अर्जुन सिंह और महिला कांस्टेबल रीना शामिल रहीं।पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रहीमुद्दीन शाह की मजार पर उर्स का शुभारंभ

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा रहीमुद्दीन शाह (रहमगुल्ला अलैह) की मजार पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय सालाना उर्स का धूमधाम एवं अकीदत के साथ शुभारंभ हुआ। उर्स का विधिवत उद्घाटन वाई सभासद शेख इज्जाल अहमद ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उर्स स्थल पर श्रद्धालुओं और अकीदतमंदों की भारी भीड़ देखने को मिली। उद्घाटन के उपरंत सभासद शेख इज्जाल अहमद ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि उर्स जैसे धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन हमारे बुजुर्गों की याद ताजा करते हैं। ये आयोजन समाज में सैप्रदायिक सौहार्द, शांति और आपसी भाईचारे का मजबूत



संदेश देते हैं। कार्यक्रम में शमा रोशन की रस्म शमशाद उर्फ शम्मां द्वारा अदा की गई। समारोह की संबोधित करते हुए हाफिज अतहर हसन ने कहा कि कच्वाली हमारी प्राचीन संगीत परंपरा की वह अनमोल विधा है, जिसमें भारत की गंगा-जमुनी तहजीब की साक्षात झलक देखने को

मिलती है। उर्स के प्रथम दिन सुप्रसिद्ध कच्वाल कैफ साबरी ने अपने शानदार कलाप पेश कर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसकी दर्शकों ने जमकर सराहना की। कार्यक्रम आयोजक डॉ. जैद एवं राकेश कुमार ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए

रेहड़ पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

चोरी के जेवरत, चांदी के आभूषण और 25 हजार रुपये की नकदी बरामद



बिजनौर (सब का सपना):- रेहड़ थाना पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण, नकदी समेत अन्य सामान बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 23 जुलाई को वादी सफेद अरुण, 23 जुलाई को वादी मुकदमा संख्या 44/26 के तहत सफेद अरुण के चोरों की तलाश शुरू की गई थी। पुलिस ने दोनों घटनाओं के खुलासे के लिए टीम गठित की थी। गुरुवार 29 अक्टूबर को पुलिस ने दोनों मामलों में वांछित आरोपी फिरोज

पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 42/26 धारा 305(ए)/331(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया था। इसके अलावा 25 जुलाई को वादी जितेंद्र कुमार पुत्र हरिकृष्ण सिंह निवासी ग्राम मोहिउद्दीनपुर, थाना रेहड़ ने भी घर से सोने-चांदी के आभूषण चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में मुकदमा अपराध संख्या 44/26 के तहत मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू की गई थी। पुलिस ने दोनों घटनाओं के खुलासे के लिए टीम गठित की थी। गुरुवार 29 अक्टूबर को पुलिस ने दोनों मामलों में वांछित आरोपी फिरोज



पुत्र भूरा निवासी ग्राम हमीरपुर, थाना भोजपुर, जनपद मुरादाबाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चार चूड़ी, एक सोने का हार, एक जोड़ी टॉप्स, एक अंगूठी, एक पीली धातु का टीका, एक पेनड्राइव, दो हाथ के कड़े, एक सोने की चेन, तीन जोड़ी बिछुए, छह ताबीज, तीन सफेद धातु के छल्ले तथा 25 हजार रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर ग्राम हमीरपुर में 22/23 जुलाई की रात और ग्राम मोहिउद्दीनपुर में 24/25 जुलाई की रात चोरी की घटनाओं को

अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि चोरी के माल में उसके हिस्से में आठ कुछ सामान को उसने हाईवे किनारे आम के बाग में जमीन में दबा दिया था, जिसे उसकी निशानदेही पर बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज दोनों मुकदमों में बरामदगी के आधार पर धारा 317(2) बीएनएस की बढोतरी की है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक रजनीश कुमार वर्मा, उपनिरीक्षक श्रीशरणपाल सिंह, उपनिरीक्षक सोनू कुमार तथा कांस्टेबल विजय तोमर, अजय ठाकुर और अभय कुमार शामिल रहे।

भाजपा किसान मोर्चा की जिला कार्यकारिणी गठित, ललित पाल बने सह मीडिया संयोजक



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना) :- भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र चौधरी की संस्तुति पर बिजनौर जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। नजीबाबाद क्षेत्र से अवधेश कुमार को जिला उपाध्यक्ष, शोभित चौधरी को जिला मंत्री, ललित पाल को जिला सह मीडिया संयोजक और सुशील चौहान को जिला सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है। नियुक्ति पर ललित पाल ने जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र 'बॉबी' और किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधीन्द्र सिंह का आभार जताते हुए संगठन के लिए निष्ठा से कार्य करने की बात कही।

बकेवर पुलिस ने 105 किलो अवैध पटाखे किए बरामद, एक गिरफ्तार



फतेहपुर (सब का सपना):- दीपावली और धनतेरस के महेनजर अवैध पटाखों के भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बकेवर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 105 किलो 400 ग्राम अवैध पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से एक युवक को गिरफ्तार किया है पुलिस के अनुसार, 29 अक्टूबर 2026 को बकेवर-चौडगरा मार्ग पर सराय बकेवर से करीब एक किलोमीटर पूर्व दिशा में स्थित एक निर्माणधीन मकान में छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान चार गत्तों और एक बोरी में रखे विभिन्न ब्रांड के रेडीमेड पटाखे बरामद हुए।मामले में गिरफ्तार युवक की पहचान रमन कश्यप पुत्र राजेन्द्र कुमार कश्यप, निवासी रसूलपुर, थाना बकेवर, जनपद फतेहपुर, उम्र करीब 20 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, युवक बिना लाइसेंस पटाखों का भंडारण कर रहा था। बरामदगी के आधार पर थाना बकेवर में मुकदमा संख्या 148/2026 के तहत धारा 288 बीएएस एवं विस्फोटक अधिनियम की धारा 5/9(ख) में मुकदमा दर्ज कर आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई है।कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार यादव, उपनिरीक्षक हरिहर पाल सहित अन्य पुलिसकर्मि शामिल रहे।

वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में गुलदार हुआ कैद



नहतौर/बिजनौर (सब का सपना) :- क्षेत्र के नरगढ़ी नवादा गांव में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में पांच साल का एक गुलदार कैद हो गया। वन विभाग ने यह पिंजरा दो दिन पहले ही गांव में लगवाया था। सुबह करीब 8 बजे जब किसान खेतों की ओर जा रहे थे, तो उन्होंने गांव निवासी नरेश कुमार के खेत में लगे लोहे के पिंजरे के पास हलचल देखी। पास जाने पर उन्होंने गुलदार को पिंजरे में बंद पाया, जिसके बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों के अनुसार, इलाके में पिछले कई दिनों से गुलदार देखा जा रहा था, जिससे डरकर किसान और मजदूर अकेले खेतों में जाने से बच रहे थे। ग्रामीणों की इसी शिकायत पर वन विभाग ने गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था।

टाटा मैजिक की टक्कर से बाईक सवार युवक की मौत



बुलंदशहर/स्याना (सब का सपना):- स्याना तहसील क्षेत्र के गांव बिगाराऊ के पास टाटा मैजिक वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर लगने से दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, घायल अवस्था में ही राहगीरों ने दोनों युवकों को सीएससी स्याना के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर एक युवक की मौत और दूसरे को गंभीर हालत के चलते हायर सेंटर रेफर कर दिया गया, हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी राम नारायण सिंह पुलिस बल के साथ मौके पहुंचे। जानकारी के अनुसार दोनों युवक बाइक से खानपुर जा रहे थे खानपुर में ही दोनों युवक टेल पत्थर के लगाने का काम किया करते थे। हसन की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार दोनों युवक स्याना निवासी डहर पट्टी के बताए जा रहे हैं।

पति की लंबी आयु के लिए विवाहित महिलाओं ने रखा निर्जल उपवास

नहतौर/बिजनौर (सब का सपना):- पति पत्नी ने समर्पण व प्रेम का प्रतीक करवाचौथ का त्यौहार क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर पत्नियां सुबह से ही सजधज कर तैयार हो गईं तथा पूरे दिन निर्जल व्रत रख चन्द्रमा को अर्घ्य एवं जल चढ़ाकर पति की लंबी आयु की प्रार्थना की करवाचौथ के पर्व पर पतियों की लंबी आयु की कामना के लिए पत्नियां ने पूरे दिन निर्जल व्रत रखकर सांय काल करवे की पूजा की तथा इस व्रत से जुड़ी कथा का वाचन किया। तत्पश्चात सास-ससुर व बड़ों के पांव छूकर आशीर्वाद लिया तथा वस्त्र आभूषण आदि भेंट कर उन्हें वायना (पूजा हुआ भोजन) खिलाया। रात्री में चन्द्रोदय होने पर छलनी से चांद देखकर अपने पिया के चेहरे को निहारा तथा चन्द्र देवता को अर्घ्य व जल चढ़ाकर अपने पतियों के हाथों से पतियों का व्रत ग्रहण कर व्रत खोला। डॉ मनीष दक्ष ने कहा कि इस व्रत को करने से पतियों की अकाल मृत्यु टल जाती है। पायल गुप्ता ने कहा इस व्रत को करने से पति को लंबी आयु प्राप्त होती है पूजा शर्मा ने कहा विवाहित महिलाओं इस व्रत को पूरे विधि विधान के साथ करना चाहिए।

बेहटा गांव के तीन मंदिरों में मूर्तियां क्षतिग्रस्त, आरोपी हिरासत में

सीसीटीवी फुटेज और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने की कार्रवाई, अपर पुलिस अधीक्षक ने दी जानकारी

फतेहपुर (सब का सपना):- जिले के बिंदकी थाना क्षेत्र के बेहटा गांव में तीन मंदिरों की मूर्तियां क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना गुरुवार सुबह करीब सात बजे यूपी-112 के माध्यम से पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। मामले में वादी दयाशंकर की तहरीर पर थाना बिंदकी में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही घटनास्थल



के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के आधार पर गांव के ही मनोज का नाम सामने आया, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले

लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे लगा था कि मूर्तियां क्षतिग्रस्त होने के बाद वहां नए मंदिर का निर्माण कराया जाएगा।

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर चलती कार में लगी आग, परिवार सुरक्षित



एजेंसी
गुरुग्राम। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बिलासपुर के पास 27 अक्तूबर की देर शाम एक चलती कार में अचानक आग लग गई। तावड़ू के हसनपुर निवासी रविंद्र पत्नी और दो सालों के साथ कार में यात्रा कर रहे थे। उन्होंने सड़बुझ से परिवार को सुरक्षित बाहर निकाला। शाम करीब 7.45 बजे पुराना टोल प्लाजा के पास कार के बोनट से धुआं निकलने लगा। रविंद्र ने तुरंत कार को सड़क के बीच में रोका। उन्होंने पत्नी और दोनों सालों को कार से बाहर निकाला। देखते-ही-देखते आग बोनट से निकलकर पूरी कार में फैल गई। आग इतनी तेजी से फैली कि वे कार से कोई सामान भी नहीं निकाल पाए। इस घटना के कारण दिल्ली-जयपुर हाईवे पर वाहनों का संचालन कुछ देर के लिए प्रभावित हुआ। शाम 7.55 बजे पेट्रोल फायर स्टेशन को आग लगने की सूचना मिली। दमकल टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया। आग बुझने तक कार पूरी तरह से जलकर خاک हो चुकी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन को मदद से क्षतिग्रस्त कार को हाईवे से हटया। गंभीरत रही कि इस घटना में किसी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई। प्रारंभिक जांच में कार में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की संभावना है। फरेंसिक जांच के बाद ही कार में आग लगने से सही कारणों का पता चल सकेगा।

गोवा के रिजॉर्ट में बुकिंग का झांसा देकर डेढ़ लाख ठगे



एजेंसी
नोएडा। गोवा में छुड़ियां बिताने के लिए होटल की तलाश कर रहे एक व्यक्ति को साइबर ठगों ने शिकार बना लिया। आरोपियों ने खुद को नामी होटल समूह का कर्मचारी बताकर रियायती दर पर रिजॉर्ट में ठहरने की बुकिंग का झांसा दिया। लॉडियो कॉल पर होटल की लॉबी दिखाकर भरोसा जीता और अलग-अलग भुगतान के नाम पर 1.50 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। सेक्टर-49 निवासी अंजुल गुप्ता एक गारमेंट कंपनी में नौकरी करते हैं। पुलिस को दी शिकायत के मुताबिक वह जनवरी में सोशल मीडिया पर गोवा में ठहरने के लिए होटल और रिजॉर्ट तलाश रहे थे। इसी दौरान उनके पास एक व्यक्ति की व्हाट्सऐप कॉल आई। उसने अपना नाम आशीष वर्मा बताया और खुद को ताज ग्रुप का कर्मचारी बताया। आरोपी ने गोवा के एंजोटिका रिजॉर्ट स्पा होटल में कम कीमत पर कमरा बुक कराने

का प्रस्ताव दिया। आरोपी ने पीड़ित का विश्वास जीतने के लिए व्हाट्सऐप वॉडियो कॉल की। इस दौरान होटल की लॉबी दिखाकर खुद को होटल से जुड़ा कर्मचारी होने का भरोसा दिलाया। इसके बाद व्हाट्सऐप पर ही जरूरी दस्तावेज लेकर प्रति व्यक्ति 25 हजार रुपये के हिसाब से बुकिंग करने की बात कही। पीड़ित से कुल 1.50 लाख रुपये जमा करा लिए गए। रुपये देने के बाद अंजुल ने बुकिंग की रसीद और टिकट मांगे तो आरोपी कई दिनों तक उन्हें

टालता रहा। लगातार आश्वासन मिलने के बावजूद जब बुकिंग से संबंधित दस्तावेज नहीं मिले तो उन्हें अपने साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास हुआ इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। सेक्टर-49 थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस आरोपी की पहचान और रुपये के लेनदेन से जुड़े तथ्यों की भी जांच कर रही है।

राष्ट्रीय पर्यवेक्षक के आगमन पर कांग्रेसियों में उत्साह, दिल्ली महारैली में शामिल होंगे 500 कार्यकर्ता

एक नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली की तैयारियों का लिया जायजा, भाजपा सरकार पर लगाए आरोप

फतेहपुर (सब का सपना):- दिल्ली के रामलीला मैदान में आगामी एक नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस महारैली की तैयारियों को लेकर पार्टी ने सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में तैयारियों का जायजा लेने फतेहपुर पहुंचे राजस्थान के विधायक एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक मनीष यादव का पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने महारैली में जिले से करीब पांच सौ कार्यकर्ताओं के शामिल होने का भरोसा दिलाया। साथ ही रैली को सफल बनाने के लिए संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क तेज करने



पर्यवेक्षक मनीष यादव ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंचकर महारैली को सफल बनाने का आह्वान किया।

करवाचौथ पर SP अभिमन्यु मांगलिक का बड़ा तोहफा, 700 महिला पुलिसकर्मियों को बिना अर्जी छुट्टी

फतेहपुर (सब का सपना):- करवाचौथ के अवसर पर फतेहपुर पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने मानवीय पहल करते हुए जिले में तैनात करीब 700 विवाहित महिला पुलिसकर्मियों को बिना आवेदन के अवकाश देने का आदेश जारी किया है। एसपी ने बताया कि महिला पुलिसकर्मियों को इयूटी के साथ घर भी संभालना पड़ता है। छुट्टी के लिए अधिकारियों के चक्कर न काटने पड़ें, इसलिए स्वतः अवकाश स्वीकृत माना जाएगा। सभी सीओ और थानाध्यक्षों को वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं।बताया गया कि भदोही में एसपी रहते हुए भी उन्होंने इसी तरह की पहल की थी। इस फैसले के बाद महिला पुलिसकर्मियों में खुशी है। आपको बता दें कि 2018 बैच के IPS अधिकारी मूल रूप से बुलंदशहर के निवासी हैं। उअ की पढ़ाई कर ग्राइवेट सेक्टर में 16 लाख के पैकेज पर नौकरी करने के बाद वदरउ ब्रेक कर वदर बने। फतेहपुर से पहले सहारनपुर, भदोही और वाराणसी में तैनात रह चुके हैं।



बैंक कर्मियों पर बिना अनुमति खाताधारकों का पैसा अंतरित करने का आरोप, शिकायत दर्ज

एजेंसी
नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के एक्शर गांव स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के कई खाताधारकों की सावधि जमा (एफडी)राशि कथित तौर पर विधिक अनुमति के बिना अधिकारियों द्वारा दूसरे खातों में अंतरित किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में श्री चंद नामक एक व्यक्ति ने ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाना में शिकायत दर्ज कराई गई है। अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि शिकायतकर्ता ने बुधवार को थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उसने तथा कई अन्य लोगों ने एक्शर गांव स्थित पीएनबी की शाखा में एफडी कराई थी जबकि कुछ लोगों ने अपने-अपने बचत खाते में राशि जमा की



थी। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता का आरोप है कि बैंक अधिकारी और कर्मचारियों ने मिली भगत करके खाताधारकों की जानकारी के बिना एफडी एवं खाते में जमा राशि दूसरे के खाते में अंतरित कर दी। उन्होंने बताया कि शिकायत के मुताबिक एक खाताधारक की मां संतोष के खाते में 1.18 करोड़ रुपये थे, लेकिन अब उनके खाते में शून्य राशि है। मिश्रा ने बताया कि तहरीर के

मुताबिक एक पीड़ित के खाते में 1.38 लाख रुपये थे लेकिन अब हाजिरो बैलेंसल्लू दिख रहा है। ट्रांसपोर्टर विनीत भाटी ने बताया कि उनके खाते से 25 लाख रुपये किसी और के खाते में अंतरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब बैंक के अधिकारियों से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि किसी अन्य के खाते में रकम गई है। रकम वापस कर दी जाएगी, लेकिन रकम वापस नहीं आई। बिरोडी

करवा चौथ की पूर्व संध्या पर पिया के नाम की मेंहदी से महका शहर

एजेंसी
गुरुग्राम। शहर में करवा चौथ पर्व को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। सदर बाजार से लेकर हुडा मार्केट, सेक्टरों के सामुदायिक भवनों और सोसाइटियों के हॉल तक, हर तरफ मेंहदी लगवाती सुहागनों की रौनक से पूरा शहर मेंहदीमय नजर आया। यह



नजारा किसी सामूहिक विवाह उत्सव की मेंहदी रस्म जैसा प्रतीत हो रहा था। त्योहार के अंतिम क्षणों में बाजारों में चुड़ी, परिधान, आभूषण और पूजन सामग्री खरीदने वालों की भारी भीड़ उमड़ी, वहीं मिठाई की दुकानों पर फेनी और मट्ठी के विशेष स्टॉल सजाए गए। इस बार उत्सव को खास

बनाने के लिए कई सामूहिक आयोजन किए जा रहे हैं।

सेक्टर-14 कम्युनिटी सेंटर में लेडीज क्लब और रोटरी क्लब के सहयोग से दो दिवसीय करवा चौथ मेला और मेंहदी उत्सव आयोजित किया गया, जहां निष्पारित दरों पर मेंहदी लगाने की सुविधा के साथ छात्राओं को कमाई के अवसर भी मिले। वहीं, रहेजा वेदांता, डीएलएफ प्राइमस और मानसून ब्रिज जैसी बड़ी सोसाइटियों में

सामूहिक मेंहदी स्टेशन बनाए गए। इसके अलावा, डीएलएफ सिटी क्लब और सोहना के दमदमा स्थित विरासत रिसॉर्ट में एक शाम चांद के साथ जैसे विशेष कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, जिनमें सुफी गायन, तंबोला, डोल-ताशे, सामूहिक कथा और सात्विक दिनर का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। शहर के प्रमुख मंदिरों और गीता भवन में भी सामूहिक पूजन की भव्य व्यवस्था की गई है।

सिद्धीकी, देवी प्रकाश दुबे, राजेंद्र लोधी, जेपी पासवान, राम नरेश महाराज, हेमलता पटेल, सैयद साहब अली, राजीव लोचन निषाद, अदुल रज्जाक, मो. कासान, अजय बच्चा, कोशल कुमार शुक्ला, आनंद सिंह गौतम, शकीला बाबो, रेखा पासवान, उदित अक्वथी, आदित्य श्रीवास्तव, प्रेम शंकर बाजपेयी, इंद्रजीत लोधी, निजामुद्दीन, चौधरी मोइन राइन, ओम प्रकाश कोरी, राकेश शास्त्री, राम शंकर शुक्ला, मो. शफीक, धर्मेन्द्र सिंह, इमरान सिद्धीकी, नौसाद अहमद और उस्मान बेग सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

जानकारी

काजू पाचन शक्ति बढ़ाए और दिल-हड्डियां बनाए मजबूत



मेवे का प्रयोग उत्तम औषधि के रूप में किया जाता है, क्योंकि मेवा स्वाद की नहीं, बल्कि सेहत की दृष्टि से भी उत्तनी ही फायदेमंद है। काजू में मैग्नीशियम पाया जाता है, जो उच्च रक्तचाप को कम करने में और दिल के दौर को रोकने में मदद करता है। काजू कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी संतुलित रखता है। काजू में प्रोटीन की मात्रा काफी होती है, जो बाँड़ी व हड्डियों को मजबूत बनाती है। चाहे मिठाई में काजू कतली हो या फिर दूसरे पकवानों में काजू का इस्तेमाल। काजू किसी भी आम डिश को शाही बना सकता है। अब जब काजू हमें इतना पसंद ही है तो इससे होने वाले लाभ के बारे में भी जान लेना चाहिए। काजू में प्रोटीन, खनिज लवण, लौह, फाइबर, फोलेट, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, सेलेनियम और तांबे का अच्छा स्रोत है। काजू का तेल, स्कर्वी मस्सा और रिंग्वर्म के उपचार के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आप प्रतिदिन 7-10 काजू का सेवन कर सकते हैं।

- काजू पाचन शक्ति को बढ़ाता है। इससे भूख भी कहीं अधिक लगती है। आंतों में भरी गैस को कम किया जा सकता है।



- काजू मसूढ़ों और दांतों को स्वस्थ रखता है। काजू में मोनो सैचुरेटड फैट होता है, जो की दिल को स्वस्थ रखता है और दिल की बीमारियों के खतरे को कम करते में मदद करता है। काजू में एंटी ऑक्सिडेंट भी होते हैं, जो कैंसर से बचाव करता है।
- काजू में पाए जानेवाले फाइटो-केमिकल्स कैंसर और दूसरे बीमारियों से सुरक्षा करते हैं। जिन महिलाओं को मेनोपॉज है उन्हें तनाव, स्ट्रेस होने एक आम सी समस्या है। उन महिलाओं को रोजाना एक काजू खाना चाहिए।
- काजू में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। काजू में अधिक एनर्जी होती है और इसमें अधिक मात्रा में फाइबर होता है। इसलिए इसको खाने से शरीर का वजन संतुलित रहता है।
- त्वचा के लिए भी काजू अच्छा होता है। काजू को दूध में मिलाकर पेस्ट बना लें, फिर इसे त्वचा पर लगाएं, इससे त्वचा खुबसूरत और मुलायम बनती है। काजू को डेली खाने से बालों के झड़ने की समस्या कम हो जाती है।



आपकी आंखों के लिए कौन सा है सही?

कंप्यूटर और मोबाइल स्क्रीन के साथ निरंतर संपर्क में रहने के कारण चश्मे और कॉन्टैक्ट लेंस का इस्तेमाल करने वालों की तादाद तेजी से बढ़ती जा रही है। फिर भी उन्हें इनके चुनाव और इस्तेमाल का सही तरीका मालूम नहीं होता। आजकल हर आयु वर्ग के लोग दृष्टि संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं। इसलिए चश्मे और कॉन्टैक्ट लेंस पर लोगों की निर्भरता बढ़ती जा रही है। इसके अलावा चश्मे से छुटकारा पाने के लिए लोग लेजर ट्रीटमेंट के बारे में भी जानने को इच्छुक होते हैं। हमें अपनी आंखों के साथ चश्मे और कॉन्टैक्ट लेंस की देखभाल कैसे करनी चाहिए।

नजर से जुड़ी समस्याएं

मायोपिया : स्वस्थ आंखों में किसी वस्तु की इमेज रेटिना पर बनती है। मायोपिया में यह छवि रेटिना से पहले बन जाती है तो धुंधला दिखाई देने लगता है। इसके लिए कॉन्केव या माइनस नंबर का लेंस दिया जाता है।

हाइपरमेट्रोपिया : जब किसी वस्तु की इमेज रेटिना के ऊपर न बनकर उसके पीछे बनती है तो उसे हाइपरमेट्रोपिया कहते हैं। इससे पास की चीज देखने में परेशानी होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए प्लस पावर वाले कॉन्वेक्स लेंस की जरूरत होती है।

एस्ट्रोपेटिया : यह वैसी स्थिति है, जिसमें आंखों का कॉर्निया पूरी तरह गोल नहीं होता। इससे रेटिना पर पड़ने वाली लाइट किसी एक जगह टिकने के बजाय आसपास फैल जाती है। इससे दूर या पास, दोनों जगह पर धुंधला दिखाई देता है, साथ ही सिरदर्द भी हो सकता है। ऐसी समस्या होने पर सिलिंड्रिकल लेंस का इस्तेमाल किया जाता है।

प्रेस्बायोपिया :आमतौर पर 40 साल की उम्र के बाद लोगों को नजदीक की चीजें देखने में परेशानी होती है। ऐसी समस्या को दूर करने के लिए चश्मे में कॉन्वेक्स या प्लस नंबर का लेंस पूरक किया जाता है।

कैसा हो चश्मा

- फ्रेम हल्का हो, नाक और कान पर अधिक दबाव न डालता हो। उसकी फिटिंग भी अच्छी होनी चाहिए।
- चश्मे को पहनते और उतारते वक्त दोनों हाथों का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चश्मे के लिए रजिन लेंस हलके होते हैं पर आसानी से

कॉन्टैक्ट लेंस का चुनाव

जिनकी दूर की नजर कमजोर होती है और जिन्हें चश्मा पहनना नापसंद है, उनके लिए कॉन्टैक्ट लेंस सही विकल्प साबित होता है। अगर आंखों में ड्राईनेस की समस्या है तो सॉफ्ट कॉन्टैक्ट लेंस का चुनाव करना चाहिए। ये प्लास्टिक के बने होते हैं। आरामदायक होने के साथ कॉर्निया तक ऑक्सीजन पहुंचाने में भी मददगार होते हैं। इसकी कमी से कॉर्निया में सूजन आ सकती है। ऐसे लेंस को महीने भर बाद बदल देना चाहिए।

आरजीपी लेंस

इसका पूरा नाम रजिज्ड गैस परमिपबल लेंस है। ये थोड़े साख्त होते हैं। इनमें विजन अधिक साफ होता है। इनकी देखभाल भी आसान होती है। जिनकी दृष्टि ज्यादा कमजोर हो या जो लोग अधिक व्यस्त रहते हैं, उनके लिए ऐसे लेंस उपयुक्त होते हैं।

जिन्हें नजर के धुंधलेपन के साथ सिरदर्द जैसी समस्याएं हों, उनके लिए टोरिक लेंस उपयुक्त रहता है। जिनकी कॉर्निया सही शेप में नहीं होती या चश्मे का पावर अधिक हो तो उनके लिए सेमी टॉक्स लेंस बेहतर विकल्प है।

टूटते नहीं हैं और इन पर खरोंच भी नहीं पड़ती। इनमें विजन अधिक साफ होता है। इनकी देखभाल भी आसान होती है। जिनकी दृष्टि ज्यादा कमजोर हो या जो लोग अधिक व्यस्त रहते हैं, उनके लिए ऐसे लेंस उपयुक्त होते हैं।

- टूटते नहीं हैं और इन पर खरोंच भी नहीं पड़ती।
- प्लास्टिक लेंस भी हल्के होते हैं और आसानी से टूटते नहीं हैं, लेकिन इन पर खरोंच जल्दी पड़ जाती है।
- ट्रिक्लर लेंस भी वजन में हल्के होते हैं और जल्दी टूटते नहीं हैं।
- लेंस पर कई तरह की कोटिंग भी मिलती है, जैसे कि एंटी-ग्लेयर, एंटी-स्क्रैच, फोटोक्रोमिक आदि।
- एंटी-ग्लेयर कोटिंग आंखों को चमक और फोटोक्रोमिक अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाती है। डॉक्टर जब चश्मा लगाने की सलाह दे तो लेंस के

ऑपरेशन के बाद दो-तीन दिन तक आराम करें। आंखों पर ज्यादा जोर देने वाली एक्टिविटीज मसलन टीवी देखना, कंप्यूटर पर काम करना या पढ़ना जैसे काम 15-20 दिनों तक न करें। इसके बाद चश्मे या लेंस से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाएगा।

रिविंग और मेकअप आदि से कुछ सप्ताह तक दूर रहें।

अगर इन छेटी-छेटी बातों का ध्यान रखेंगे तो आंखें हमेशा स्वस्थ रहेंगी।

- बारों में पूरी जानकारी लें।
- बच्चों और खिलाड़ियों के लिए पॉलीकार्बोनेट ग्लास उपयुक्त होते हैं, क्योंकि मजबूत होने के साथ ये आंखों को सुरज की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी बचाते हैं।
- फील्ड वर्क करने वालों के लिए फोटोक्रोमिक ग्लास भी उपयोगी है, क्योंकि सुरज की रोशनी में इसका रंग बदल जाता है और समतास की जरूरत नहीं पड़ती।
- आमतौर पर खेलने या ड्राइविंग के दौरान पोलराइज्ड सनग्लासेज इस्तेमाल किए जाते हैं और धूप के तेज रिफ्लेक्शन से आंखों को बचाते हैं।

कब बदलें इसे?

डॉक्टरों के अनुसार लेंस को एक से 6 महीने के बीच चेकअप और डॉक्टर की सलाह के बाद बदलते रहना चाहिए। अगर लेंस लगाने के बाद आंखों में कोई तकलीफ हो तो बिना देर किए डॉक्टर से सलाह लें। इसके साथ ही कुछ लेंस ऐसे भी होते हैं, जिन्हें एक साल तक आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है।

इसके साइड इफेक्ट

एलर्जी : सही तरीके से कॉन्टैक्ट लेंस नहीं लगाने पर आंखें लाल हो सकती हैं। साथ ही, खुजली की भी समस्या हो सकती है। ऐसे लक्षण दिखने पर लेंस न लगाएं और डॉक्टर की सलाह लें।

कॉर्निया पर खरोंच : लेंस पहनते और उतारते समय ध्यान रखें कि कॉर्निया पर कोई खरोंच न लगे। ऐसा होने पर कॉर्नियल अक्सर होने और आंख की पुतली पर स्फेदी पड़ने का डर रहता है।

क्या है हन्ना लेजर ट्रीटमेंट?

अगर आप चश्मे या लेंस से छुटकारा पाना चाहते हैं तो उसके लिए लेसिक लेजर ट्रीटमेंट बहुत उपयोगी साबित होता है। इस सर्जरी में बहुत कम समय लगता है और मरीज उसी दिन घर जा सकता है। लेसिक लेजर की मदद से कॉर्निया की सतह को बदल दिया जाता है। इससे चश्मे या कॉन्टैक्ट लेंस के बिना भी साफ दिखने लगता है।

सुझाव

वेट लॉस और पेट के लिए बहुत अच्छा है एप्रिकोट



एप्रिकोट या खुबानी एक पौष्टिक और सेहत के लिहाज से बहुत फायदेमंद ड्राई फ्रूट है। एप्रिकोट के फल ताजे और सूखे दोनों रूपों में खाए जाते हैं। बच्चों को यह फल काफी पसंद होता है और इसीलिए इसे अपनी डाइट में शामिल करने के लिए आप अलग-अलग तरीके अपना सकते हैं। हम आपको यहां बता रहे हैं एप्रिकोट खाने के फायदे-

बेहतर इम्यूनिटी और हेल्दी आंखें

एप्रिकोट या खुबानी विटामिन ए से भरपूर होता है। विटामिन ए हमारी इम्यूनिटी बढ़ाता है और यह हमारी आंखों को भी हेल्दी बनाता है। इसके अलावा यह आपकी त्वचा को भी सुंदर बनाता है और उसे प्राकृतिक कारणों से होने वाले नुकसान से बचने में मदद करता है।

पेट की समस्याओं से दिलाए राहत

फाइबर का अच्छा स्रोत है एप्रिकोट या खुबानी। ताजे और सूखे दोनों तरीकों से एप्रिकोट खाकर आपको फाइबर प्राप्त हो सकता है। फाइबर हमारे पाचनतंत्र को सही तरीके से काम करने में मदद करता है और इस तरह यह आपके पेट के लिए अच्छा है।

वेट लॉस में मददगार

एप्रिकोट वेट लॉस के लिए भी अच्छा है। 100 ग्राम खुबानी में केवल 200 कैलोरी होती है और इसीलिए आप इसका सेवन करके खुद का पेट भी भर सकते हैं और आपका वजन भी कंट्रोल में रह सकता है।

हड्डियां बनाए मजबूत

हमारी हड्डियों की मजबूती और उनके विकास के लिए कैल्शियम बहुत मददगार साबित होता है। एप्रिकोट में कैल्शियम और पोटेशियम दोनों अच्छी मात्रा में होते हैं। इस तरह खुबानी या एप्रिकोट खाने से आपकी हड्डियां मजबूत बन सकती हैं।



आज का राशिफल

मेष **बू घे चो ला ली बू ले लो आ**
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेंगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दुरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

वृष **इ उ ए ओ घा बी बू घे चो**
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बड़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षीभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन **का की कू घ ड छ के को झ**
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मत्थाह पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। पश्चिम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क **ही हू हे हो डा डी दू डे डो**
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह **मा नी नू ने जो रा टी दू डे**
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा हो जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या **दे पा पी पूष ण र पे पो**
आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक परेशानी बड़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अवशस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला **रा टी रु रे डे ता टी तू ते**
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मतभेद भी पैदा हो सकते हैं। सुख-आनंद काक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक **तो ना नी नू ने नो य यी यू**
मनोविनोद बड़ेगे। व्यायामिक का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अध्येत्य भी होगा और प्रसन्नताएं भी बड़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-7-8-9

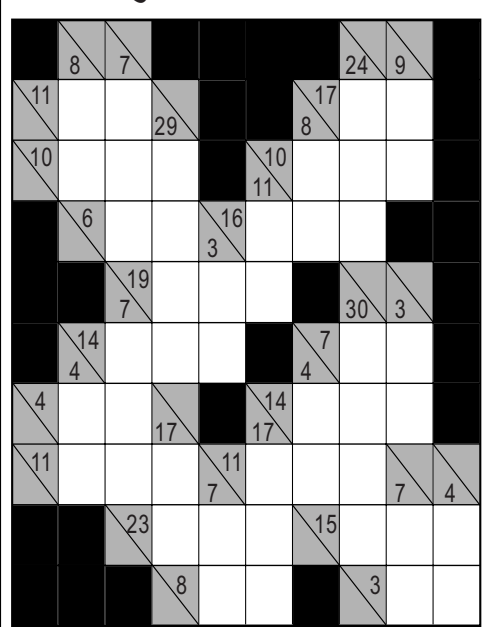
धनु **वे चो मा नी नू धा फा डा डे**
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहायुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सफलता से संपन्न हो जाएंगे। जोरिष्म से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर **ने ना नी छी यू खे खो गा नी**
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीछे पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुम्भ **गू ने गो सा सी यू से सो रा**
कारोबारी यात्रा की फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहायुभूतियां होंगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

मीन **री दू थ ज्ञ ज डे दो चा ची**
ले देकर को जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में ओरो बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

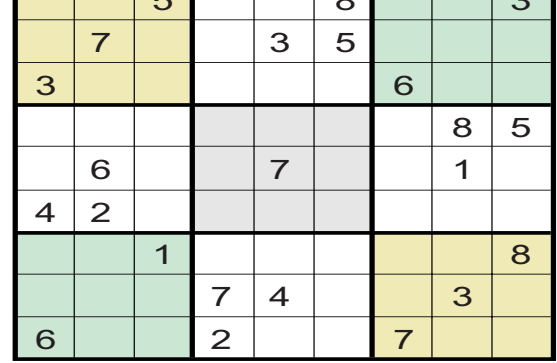
काकुरो पहेली - 4054



खाली वार्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खाना चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः
6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

सूडोकु -4054



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मीठीसुद अंकों को आप हटा सकते हैं।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

लॉफिंग जॉन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर ! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

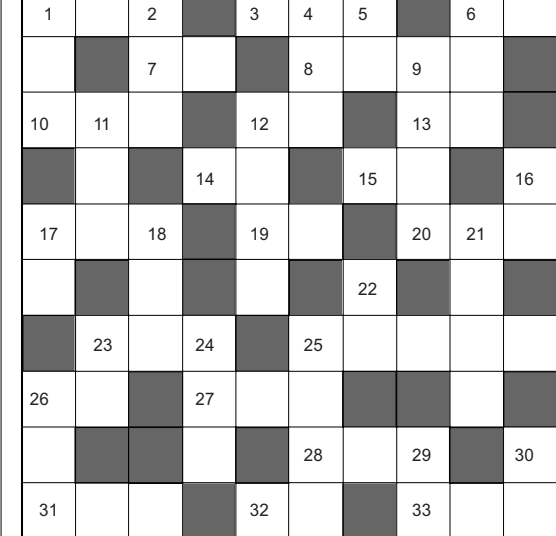
एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया। यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

फिल्म वर्ग पहेली- 4054

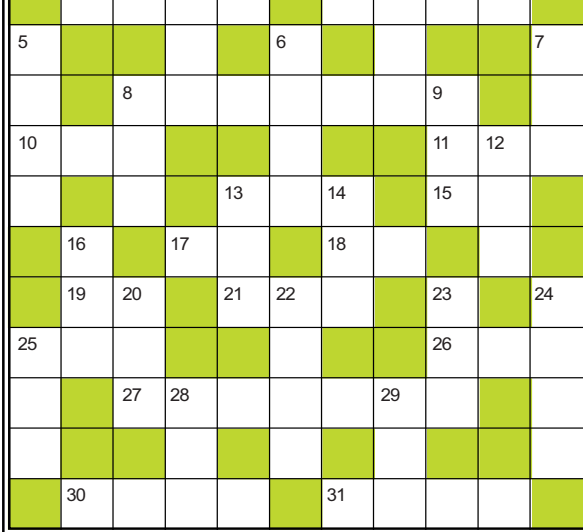


बायें से दायें:-
१. जैकी ब्रॉफ, सलमान, रंभा, अर्धनो भावे की फिल्म-३
२. अमिताभ, संजय, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'जलता है जिया मेघ भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
५. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
६. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, पर्वनी की फिल्म-४
७. 'मरता तेरी गली में जौना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
८. फरदीन, करीना की 'रा दीन्ही रा' गीत वाली फिल्म-२
९. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१०. 'सिर्फ सँडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
११. 'जिंदगी ये जिंदगी को चढ़ी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-
१. 'रां भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजय, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
३. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
४. बिर्जाप आनंद, कृतिता पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
५. 'दिखी की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
६. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
७. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
८. नवीन निश्चल, सायरा की 'इश्क या था' गीत वाली फिल्म-४
९. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१०. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
११. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
१२. जैकी, नीलम की 'चुगुया दूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उर्मिला की फिल्म-२
१४. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'हम तीनों को वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
१७. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
१८. 'सुन जय सोनिया' गीत वाली फिल्म-२
१९. राधोराकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4053
चा ल वा ज क ख ग घ ङ
ह रि आ ह र्ज ल
त ल र त न प्या स
वा र ज ख ख न
ब तु म जो र न
म स्त्री क ह र अ स्ति ल
अ जी स य वा क
व क म द र दा अ
त ह हे द फि दा जा
र ह मा न वै जा धू म

शब्द पहेली - 4054



बाएँ से दाएँ

- नेमत, वर, इक्षुका -4
- उद्देश्य, ध्येय-4
- सयाना, चतुर-4,3
- मनुष्य-3
- मोल, वाम-3
- बैठने का स्थान-3
- दोड़ना (अंग्रेजी)-2
- पराजित-2
- वध, कल्ल-2
- काव्यकार, शायर-2
- राशित्रक की दसवीं राशि-3
- आक्रमण, प्रहार-3
- पालतू जानवर-3
- इश्वर, भगवान-7
- इश्वरीय कृपा-4
- भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

- असुर, दैत्य-3
- गागर, घड़ा-3
- मन की करना-4
- प्रार्थना, ईश वंदना-4
- चरित्र, ईमान-3
- कार्यविधि-3
- रेखा, लाईन-3
- माला का मोती-3
- राहत, विश्राम-3
- कैनाल, उपनदी-3
- नागद राशि-3
- रुदन -3
- पक्षियों का शोर-4
- मध्यांग, कटि-3
- राशियों का समूह-4

25. महल, बड़ा भवन-3

- संभार जैसा खाद्य पदार्थ-3
- अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -4053का हल

अ ज क ख ग घ ङ
ह रा त क म अ वा
अ ब र ह म य द क्षी र स
क्षी ल क अ र क्षी अ न
ल प अ अ र क्षी अ न
रा र अ अ र क अ अ न
म न र ह व र खं प
प्र ण वा रा ह व क वा रा
कि वा स व क रा र क
क म म फि रा म क हो
र म ज न म द द क र न



उदित सिंह के साथ रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे करण वाही

बिग बॉस 20 में उदित सिंह लगातार एक्टर करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर बात करती रहती है। वह शो में अपने ब्रेकअप की वजह भी बता चुकी है। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि करण ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया था और उनके डींगी को भी गलत तरीके से टैंट किया था। अब करण वाही ने इस पूरे मामले पर खुद चुप्पी तोड़ी है। एक्टर ने चौकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे। करण ने उन अटकलों पर भी विराम लगाया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ब्रेकअप से पहले दोनों की शादी होने वाली थी।

करण वाही ने बातचीत में उदित सिंह के साथ अपने रिश्ते और ब्रेकअप की वजह पर बात की। उन्होंने बताया कि जब दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया, तब वह करीब 33 साल के थे और जिंदगी के उस पड़ाव पर थे, जहां किसी रिश्ते में आने से पहले उसके भविष्य के बारे में सोचना जरूरी मानते थे। करण के मुताबिक, वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाने के इरादे से आगे बढ़े थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि दोनों की शादी की तारीख या कोई पक्की योजना तय हो चुकी थी।

शादी का इरादा था, लेकिन कोई पक्की योजना नहीं थी

करण वाही ने बताया कि उदित को डेट करते समय उनके मन में शादी का विचार था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने उन्हें डेट करना शुरू किया, तब मैं 33-34 साल का था। इसलिए, मैं ऐसी उम्र में था जहां मेरा सोचना था कि अब अगर मैं किसी रिश्ते में आता हूँ, तो वह शादी में बदलना चाहिए। वरना, मुझे ऐसा कोई रिश्ता नहीं चाहिए।' करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते को लेकर शादी की योजना बनने की खबरें सही नहीं थीं। लॉकडाउन के दौरान दोनों ने साथ समय बिताया था और अपने भविष्य को लेकर बातचीत भी की थी, लेकिन इसे शादी तय होने के रूप में देखना गलत होगा। एक्टर ने कहा कि उनका इरादा रिश्ते को शादी तक ले जाने का था, जिसे लोगों ने शायद इस तरह समझ लिया कि दोनों जल्द शादी करने वाले थे।

करण वाही ने ब्रेकअप की वजह पर की बात

उदित सिंह से अलग होने के कारण पर बात करते हुए करण ने कहा कि दोनों एक-दूसरे के साथ उतने

अनुकूल नहीं थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे के साथ उतने कम्पैटिबल नहीं थे। कम से कम मेरे लिए तो यही सच है।' करण ने उन अटकलों को भी खारिज किया कि उनके माता-पिता के दखल या आपत्ति की वजह से रिश्ता खत्म हुआ था। दोनों की उम्र में करीब 10 साल का अंतर भी उनके रिश्ते को लेकर चर्चा का विषय रहा था, लेकिन करण ने इसे ब्रेकअप की वजह साफ नहीं की।

उदित के लिए मन में नहीं है कड़वाहट

करण वाही ने बातचीत में यह भी साफ किया कि उदित से अलग होने के बाद उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। भले ही उनका रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया, लेकिन वह बीते समय को लेकर कोई शिकायत नहीं रखते। करण ने उदित के प्रति सकारात्मक भाव जाहिर करते हुए कहा कि वह उनके लिए खुश हैं। करण के इस बयान के बाद उनके और उदित के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं में एक नया पहलू सामने आया है। एक्टर ने स्पष्ट किया कि रिश्ता शादी के इरादे से शुरू हुआ था, लेकिन दोनों के बीच अनुकूलता की कमी के कारण वह आगे नहीं बढ़ पाया।



एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर ने टीवी शो 'वसुधा' के बारे में दी अपडेट

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो 'वसुधा' में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा। शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, 'दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैसले के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे।' प्रिया ने कहा, 'शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैसले के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूलरी और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है।



म्यूजिकल लव स्टोरी में बनी आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री तारा सुतारिया जल्द ही बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। दोनों फिल्म निर्माता भूषण कुमार की आगामी इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में लीड रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। वहीं, शिव चानना को-प्रोड्यूसर के तौर पर फिल्म से जुड़े हैं। बता दें कि यह फिल्म प्यार, भावनाओं और संगीत से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि दर्शकों को आदित्य और तारा की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने को मिलेगी।

पहली बार साथ नजर आएंगे आदित्य और तारा

आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड में अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए खास पहचान रखते हैं। 'आशिकी 2' जैसी फिल्म में उनके अभिनय और रोमांटिक अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वहीं तारा सुतारिया भी अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में दोनों को एक इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

टी-सीरीज के साथ तारा का तीसरा प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट में तारा 'मरजावा' के बाद भूषण कुमार और मिलाप मिलन जावेरी के साथ फिर से काम कर रही हैं। उन्होंने पहले भी टी-सीरीज के साथ 'एक विलेन रिटर्न्स' में काम किया

था और अब यह बैनर के साथ उनका तीसरा काम है। एक रैं और इमोशनल लव स्टोरी के सेंटर में, इस फिल्म का मकसद लड़ाई और हार्ड-स्टेक ड्रामा के बैकग्राउंड में रोमांस को दिखाना है।

कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

निर्माताओं की योजना के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होगी और इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म के आधिकारिक नाम और रिलीज डेट की घोषणा होना बाकी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की यह नई रोमांटिक जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों का दिल जीतने में कितनी सफल होती है।



'रामायण' के कर्नाटक डिस्ट्रीब्यूशन की कमान संभालेंगे यश!

'रामायण' में रावण के किरदार में नजर आने वाले रॉकिंग स्टार यश अब सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, पर्दे के पीछे भी मचाएंगे धमाल! अब सिर्फ अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों को दीवाना नहीं बनाएंगे, बल्कि अपनी कंपनी के जरिए इस महागाथा को कर्नाटक के दर्शकों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। डिस्ट्रीब्यूशन विंग की शुरुआत के साथ मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने प्रोडक्शन से आगे बढ़ते हुए अपने बिजनेस का दायरा बढ़ाया है। भारतीय सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में शामिल 'रामायण' को बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में यह एक अहम कदम है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय महाकाव्य की दो हिस्सों में पेश की जाने वाली भव्य सिनेमाई गाथा है। शानदार स्टारकास्ट और बड़े स्क्रीन पर तैयार हो रही यह फिल्म सदियों पुरानी कहानी को नए सिनेमाई अंदाज में बड़े पर्दे पर जीवंत करने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज को देश और दुनिया के अलग-अलग बाजारों में पहुंचाने के लिए बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान सोनी पिक्चर्स संभालेगा, जबकि करण जोहर की धर्मा प्रोडक्शंस उत्तर भारत में फिल्म को रिलीज करेगी। दिल राजू आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की जिम्मेदारी संभालेंगे, वहीं कर्नाटक में मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग मोर्चा संभालेगा।

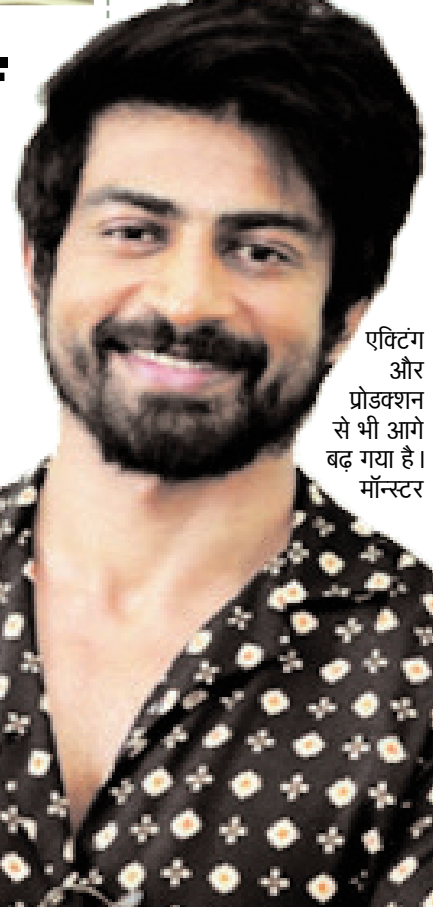
माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग कर्नाटक में इस मेगा प्रोजेक्ट की रिलीज की कमान संभालने जा रहा है। यानी यश अब सिर्फ अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों को दीवाना नहीं बनाएंगे, बल्कि अपनी कंपनी के जरिए इस महागाथा को कर्नाटक के दर्शकों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। डिस्ट्रीब्यूशन विंग की शुरुआत के साथ मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने प्रोडक्शन से आगे बढ़ते हुए अपने बिजनेस का दायरा बढ़ाया है। भारतीय सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में शामिल 'रामायण' को बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में यह एक अहम कदम है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय महाकाव्य की दो हिस्सों में पेश की जाने वाली भव्य सिनेमाई गाथा है। शानदार स्टारकास्ट और बड़े स्क्रीन पर तैयार हो रही यह फिल्म सदियों पुरानी कहानी को नए सिनेमाई अंदाज में बड़े पर्दे पर जीवंत करने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज को देश और दुनिया के अलग-अलग बाजारों में पहुंचाने के लिए बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान सोनी पिक्चर्स संभालेगा, जबकि करण जोहर की धर्मा प्रोडक्शंस उत्तर भारत में फिल्म को रिलीज करेगी। दिल राजू आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की जिम्मेदारी संभालेंगे, वहीं कर्नाटक में मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग मोर्चा संभालेगा।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'जॉन डो' में अर्जुन दास निभाएंगे 'चंद्र' का किरदार

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे अर्जुन दास निर्देशक मधुमिता की आगामी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' में 'चंद्र' नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने इसका खुलासा किया। अर्जुन दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा अपना फर्स्ट लुक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'नान पोधुमा? (क्या मैं पर्याप्त हूँ?)' यह एक सवाल है जो चंद्र को लगातार परेशान करता है। शायद यह वह सवाल है जो हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा है। उसकी तलाश में कहीं न कहीं मुझे खुद का भी एक हिस्सा मिला। 'जॉन डो' की दुनिया के चंद्र से मिलिए। यह फिल्म नवंबर में आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का लेखन और निर्देशन मधुमिता ने किया है। फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स ने किया है और इसे एजीएस सिनेमाज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म में संचना नटराजन मुख्य

अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा थ्रिलर, जारा दिनीत चांधोके और निरव भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों और सिनेप्रेमियों में कई कारणों से उत्सुकता बनी हुई है। सबसे खास बात यह है कि अर्जुन दास अपने करियर में पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स कर रही है, जिसने पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' का भी निर्माण किया था। फिल्म को शोभा यारलागुडा और प्रसाद देविनेनी प्रोड्यूस कर रहे हैं। किशोर केदारी और मधुमिता इसके सह निर्माता हैं, जबकि सौराभा शर्मा क्रिएटिव प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत मानी जा रही है। इसका संगीत प्रसिद्ध संगीतकार मुजीब माजीद ने तैयार किया है, जबकि अतिरिक्त संगीत द आर्टिस्ट 404 ने दिया है। फिल्म की कहानी

और पटकथा मधुमिता और निकोलस शेवेलियर ने मिलकर लिखी है। सिनेमेटोग्राफी प्रीथा जयरामन ने की है और संपादन विजय सीक्वेस दिनेश सुब्बारायन और एक्शन संतोष ने तैयार किए हैं। प्रिया करन और प्रिया हेरी ने कोस्ट्यूम डिजाइन किए हैं, जबकि अश्विनी काले ने प्रोडक्शन डिजाइन का काम संभाला है। सुत्रों के अनुसार, फिल्म लगभग तैयार है और निर्माता इसे इस साल नवंबर में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।



एक्टिंग और प्रोडक्शन से भी आगे बढ़ गया है। मॉन्स्टर

